हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 8, अंक: 189, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 8 जनवरी, 2024 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

सरकार हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित

बोले मुख्यमंत्री योगी– जनता की समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाई

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी दशा में न छोड़े जाएं। उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कई महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की समस्या घरेलू जमीन विवाद की थी तो कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुछ ने मारपीट के मामले में प्रभावी कार्रवाई की गुहार लगाई। जमीन कब्जा की शिकायतों पर सीएम ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। उन्होंने कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। उन्होंने पुलिस से संबंधित अन्य मामलों में भी प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एक बच्चे से उसकी पढ़ाई को लेकर उन्होंने हंसी-ठिठोली भी की।

पवन खेड़ा को आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी खारिज, 16 जनवरी को तय होंगे आरोप

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता का नाम गौतम अदाणी के नाम के साथ जोड़ने के मामले में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी को सीजेएम हृषिकेश पांडे ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने आरोप तय करने के लिए 16 जनवरी की तारीख तय की है। इससे पहले खेड़ा की आरोप मुक्त करने की अर्जी का विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि पवन खेड़ा ने अपने वक्तव्य में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता का नाम दामोदर दास मूल चंद्र मोदी की जगह नरेंद्र गौतम दास मोदी लिया था। इससे लोग दो वर्ग में विभाजित होकर लड़ने लगे। इस मामले में पिछले साल 20 फरवरी 2023 को बनारस के कैंट व लखनऊ के हजरतगंज थाने में और 22 फरवरी को असोम के हॉफ लॉन्ग थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

अयोध्या: राम मंदिर पहुंचे नृपेंद्र मिश्र बताया –भूतल का काम हुआ पूरा

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा है कि परकोटा से गर्भगृह तक पहुंचने का मार्ग अगले एक सप्ताह में तैयार हो जाएगा। जो कुछ काम बचेंगे उन्हें रात में किया जाएगा। समिति अध्यक्ष मिश्र रविवार को प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार हो रहे राम मंदिर परिसर और जन्मभूमि पथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को पैदल चलने के दौरान धूप और बारिश में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए कैनोपी बनाई गई है। इसका निरीक्षण कर इससे मिलने वाली सुविधा को परखा गया। स्कैनर भी लग गया है। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं के सामान की जांच की जाएगी। **रामकथा संग्रहालय में** अंतिम सिक्योरिटी पॉइंट का भी जायजा लिया। यहां से भक्त सीधे परकोटा पर जा सकेंगे। परकोटा से आगे 33 सीढ़ी चढ़कर गज और सिंह द्वार पर पहुंचेंगे। यह बन कर तैयार हो गया है। इसके ऊपर हनुमान जी और गरुड़ जी की आशीर्वाद देती हुई प्रतिमा स्थापित हो गई है। यहां से श्रद्धालु मंडप से गुजरते हुए भगवान के समझ गुड मंडप में खड़े हो सकेंगे। यहां की तैयारी अंतिम चरण में है। राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को हर सुविधा देने की कोशिश की जा रही है। किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो इसका हर कदम पर ध्यान रखा जा रहा है। निरीक्षण के बाद समिति अध्यक्ष ने राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में भाग लिया।

बनेगा अस्थायी मीडिया सेंटर– प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मीडिया कवरेज के लिए रामकथा संग्रहालय अयोध्या में अस्थायी मीडिया सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह 20 से 22 जनवरी तक संचालित होगा। मीडिया सेंटर/प्रेस क्लब को भी अगले सप्ताह शुरू किया जाएगा। रामकथा संग्रहालय के मीडिया सेंटर में इंटरनेट व कंप्यूटर आदि की व्यवस्था होगी। उप निदेशक मुरलीधर सिंह ने बताया कि सुरक्षा समिति व एसपीजी के साथ वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने के बाद मीडिया कवरेज संबंधी अन्य बिंदुओं की जानकारी दी जाएगी। मीडिया संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7080510637 पर संपर्क कर सकते हैं।

बसपा पर कसा तंज तो अखिलेश यादव को मिला जवाब मायावती ने कहा- अपने गिरेबान में भी झांक कर देखो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर पलटवार किया है। मायावती ने कहा कि अखिलेश यादव को कुछ भी बयान देने से पहले सोच-विचार कर लेना चाहिए। उन्होंने अखिलेश पर भाजपा से मिले होने का आरोप लगाया। मायावती अखिलेश यादव के बयान जिम्मेदारी वाले से नाराज दिखीं। मायावती ने एक्स पर लिखा, अपनी व अपनी सरकार की खासकर दलित-विरोधी रही आदतों, नीतियों एवं कार्यशैली आदि से मजबूर सपा प्रमुख द्वारा बीएसपी पर अनर्गल तंज कसने से पहले उन्हें अपने गिरेबान में भी झाँककर जरूर देख लेना चाहिए कि उनका दामन भाजपा को बढ़ाने व उनसे मेलजोल के मामले में कितना दागदार है। उन्होंने अगले ट्वीट में लिखा, साथ ही, तत्कालीन सपा प्रमुख द्वारा भाजपा को संसदीय चुनाव जीतने से पहले व उपरान्त आशीर्वाद दिए जाने को कौन भुला सकता है। और फिर भाजपा सरकार बनने पर उनके नेतृत्व से सपा नेतृत्व का मिलना-जुलना जनता कैसे भूला सकती है। ऐसे में सपा साम्प्रदायिक ताकतों से लड़े तो यह उचित होगा। बता दें कि अखिलेश यादव ने बीते दिन गुरुवार को बलिया में थे। इस दौरान आईएनडीआईए में बसपा के शामिल होने के सवाल पर अखिलेश ने मायावती की पर भरोसे को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी (मायावती) की जिम्मेदारी कौन लेगा। वहीं, यह बात भी सामने आ रही है कि अखिलेश यादव बसपा को आईएनडीआईए में शामिल करने के पक्ष में नहीं दिख रहे। गठबंधन के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि जनता भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का मन बना ली है। मकर संक्रांति के बाद गठबंधन की हर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार प्रधानों के पैसे से अपना प्रचार करवा रही है। धरातल पर काम दिखाई देता तो मंच लगाकर उसकी मुनादी नहीं करनी पड़ती।

बीते 24 घंटे में कोविड के 756 नए मामले हुए दर्ज; 5 संक्रमितों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोविड मामलों में एक बार फिर उछाल देखने को मिल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश में पिछले 24 घंटों में 756 नए कोविड-19 मामले सामने आए और पांच मौतें हुईं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, केरल और जम्मू-कश्मीर से संक्रमण से लोगों की मौत हुई है। शनिवार को, तमिलनाडु और गुजरात से दो-दो मौतें हुईं, जबकि शुक्रवार को 12 मौतें हुईं, जिसमें केरल से पांच, कर्नाटक से चार, महाराष्ट्र से दो और उत्तर प्रदेश से एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच, सक्रिय मामलों की कुल संख्या शनिवार के 4,187 से गिरकर 4,049 हो गई है। अब तक, जनवरी 2020 में शुरूआती प्रकोप के बाद से भारत में कोरोनावायरस मामलों की कुल संख्या 4,50,18,134 तक पहुंच गई है, जबकि कुल मृत्यु का आंकड़ा 5,33,392 हो गया है।

वायुसेना को मिली बड़ी सफलता, पहली बार रात में सुपर हरक्यूलिस विमान की कारगिल में कराई सफल लैंडिंग

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल वायुसेना ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान को रात के समय कारगिल हवाई पट्टी पर उतारने में सफलता हासिल की है। इस दौरान वायुसेना के गरुड़ कमांडोज को भी सुपर हरक्यूलिस विमान में बिठाकर कारगिल भेजा गया। यह कमांडोज की ट्रेनिंग का भी हिस्सा था कि कैसे आपात स्थिति में उनकी जल्द से जल्द मोर्चे पर तैनाती की जा सकती है। गरुड़ कमांडो फोर्स, वायुसेना की स्पेशल फोर्स है। वायुसेना ने लैंडिंग का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। ऊंचाई वाले मुश्किल हालात में एयरक्राफ्ट की लैंडिंग हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहती है। ऐसे में कारगिल जैसे ऊंचे पहाड़ों वाले इलाके में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफल लैंडिंग एक बड़ी सफलता है। इस ऑपरेशन के दौरान वायुसेना ने रात के अंधेरे में कारगिल जैसी चुनौतीपूर्ण एयरस्ट्रिप पर सफलतापूर्वक सुपर हरक्यूलिस की लैंडिंग कराकर ना सिर्फ अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया है, साथ ही इस ऑपरेशन की काफी रणनीतिक अहमियत भी है। कारगिल की एयरस्ट्रिप 8800 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इतनी ऊंचाई पर खराब मौसम और तेज हवाएं सबसे बड़ी चुनौती होती हैं। ऐसे में लैंडिंग के लिए उच्च स्तर की तकनीकी दक्षता की जरूरत होती है। गरुड़ कमांडो को सफलतापूर्वक कारगिल पहुंचाने से एयरफोर्स की लॉजिस्टिक क्षमता के साथ ही वायुसेना की हवाई के साथ ही जमीनी तैयारी का भी पता चलता है। इससे पता चलता है कि वायुसेना मुश्किल से मुश्किल हालात में भी अपने सैनिकों की तैनाती जल्द से जल्द कर सकती है। इससे पहले वायुसेना के पायलटों ने उत्तराखंड में धारासू में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफल लैंडिंग कराई थी। खास बात ये है कि ये लैंडिंग भी एक चुनौतीपूर्ण मौसम में कराई गई थी। धारासू में जहां लैंडिंग कराई गई, वह 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित जगह है।

धूप के साथ हुई दिन की शुरूआत लेकिन हवाओं में गलन बरकरार

लखनऊ। रविवार का मौसम बीते दिनों की तुलना में बेहतर रहा। दिन की शुरूआत हल्की धूप के साथ हुई। राजधानी लखनऊ और उससे सटे हुए जिलों में कोहरे का असर नहीं रहा। हवाओं में ठंडक के बीच निकली हल्की धूप ने राहत देने का काम किया। पूर्वी और पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जिलों में भी मौसम अपेक्षाकृत बेहतर रहा। हालांकि मौसम विभाग रविवार को बारिश से राहत के आसार जता रहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से फिर मौसम करवट बदल सकता है और कड़ाके की ठंड परेशान कर सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, शनिवार को गोरखपुर में अत्यधिक घना कोहरा होने के कारण दृश्यता शून्य तक पहुंच गई थी। आगरा में 30 मीटर, कुशीनगर में 50 मीटर, बहराइच में 60 व झांसी में 80 मीटर दृश्यता रही। इसके अलावा प्रदेश के कई इलाकों में कोहरा रहा। मुजफ्फरनगर और आगरा में सबसे ठंडे दिन रहे।

इन इलाकों में कोहरे की चेतावनी– अंबेडकरनगर, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनौर, चंदौली, देवरिया, फरूखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, जौनपुर,

कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, लखनऊ, महाराजगंज, मऊ, मेरठ, मिजार्पुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संतकबीरनगर, संत रविदास नगर, सहारनपुर, संभल, शाहजहांपुर, शामली, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी व आसपास के इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है।

काशी विश्वनाथ धाम: स्पर्श दर्शन विवाद पर बोले कमिश्नर नहीं बदली गई कोई व्यवस्था; वायरल पत्र की हो रही जांच

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम में बगैर प्रोटोकॉल स्पर्श दर्शन कराने वाले दारोगा आशीष सिंह के वेतन से 1500 रुपये कटौती से जुड़े मामले में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने स्थिति साफ की है। उनका कहना है कि मंदिर के डिप्टी कलेक्टर का वाराणसी के पुलिस कमिश्नर के नाम एक ड्राफ्ट पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसा कोई पत्र कभी जारी नहीं हुआ। ट्रस्ट की तरफ से पुलिस सहित किसी भी विभाग को कोई शिकायती पत्र नहीं भेजा गया है। इसकी जांच कराई जा रही है। किसी ने शरारतपूर्ण तरीके से टाइप करके पत्र वायरल किया है। दारोगा से वेतन कटौती का पत्र शुक्रवार को वायरल हुआ था। मामला मीडिया की सुर्खियां बना तो मंदिर प्रशासन सामने आया। मंडलायुक्त ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन की जो व्यवस्था कई वर्षों से निर्धारित है, उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। मंदिर में सब श्रद्धालु दर्शन के अधिकारी हैं। स्पर्श दर्शन का समय अलग-अलग महीने में अलग-अलग घंटों में निर्धारित है। सभी श्रद्धालु उस समयावधि में स्पर्श दर्शन कर सकते हैं। यह व्यवस्था निशुल्क है। कई वर्षों से निरंतर चल रही है। वर्षों पहले मंदिर में कम समय में बिना लाइन के दर्शन करने हेतु सुगम दर्शन व्यवस्था लागू हुई थी। इसमें 300 रुपये की सहयोग धनराशि से मंदिर के शास्त्री दर्शन कराते हैं। इसके अतिरिक्त प्रोटोकॉल व्यवस्था है। प्रोटोकॉल के अनुसार निशुल्क दर्शन

कराया जाता है। इसके समय का निर्धारण करना कठिन होता है, इसलिए ये सामान्यतः पूरे दिन चलता है। वर्षों पूर्व चली आ रही व्यवस्था में न कोई नई व्यवस्था जोड़ी गई है और न घटाई गई है।

मंडलायुक्त ने कहा कि जनवरी की शुरूआत से केवल प्रोटोकॉल व्यवस्था के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास प्रारंभ हुआ है। गत 3-4 माह से विभिन्न विभागों द्वारा अपने कर्मचारियों व अधिकारियों के माध्यम से प्रोटोकॉल हेतु बनाए गए सेल के माध्यम से दर्शन न कराकर सीधे करा दिया जा रहा था। मंदिर की स्टेट लेवल सिक्योरिटी कमेटी ने काफी महीनों पहले इसके लिए ट्रस्ट, पुलिस और सीआरपीएफ की एक जॉइंट सेल की व्यवस्था की है जो गेट नंबर चार के भीतरी हिस्से में है। प्रोटोकॉल के लोग वहां से दर्शन हेतु भेजे जाते हैं। जो लोग वहां गलत आ जाते हैं उनसे 300 रुपये लेकर सुगम दर्शन कराया जाता है। मंडलायुक्त ने कहा कि प्रोटोकॉल की बनाई गई व्यवस्था का उल्लंघन करने से कामकाज अनुशासित नहीं रहता। जो लोग सुगम दर्शन करने में सक्षम हैं और प्रोटोकॉल के अंतर्गत नहीं आते, उनके इस प्रकार निशुल्क दर्शन से मंदिर की आय में फर्क पड़ता है। मंदिर में प्रोटोकॉल दर्शन जिन विभागों के माध्यम से ज्यादा होते हैं उनको कहा गया था कि प्रोटोकॉल के नाम पर अन्य लोगों को दर्शन न कराएं और उस पर रोक लगाएं।

सात सुरक्षा एजेंसियों के लगे कैंप, तलाशी में जुटीं 15 टीमें, प्राण प्रतिष्ठा के दिन होंगे 30,000 जवान

अयोध्या। 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने भी जिले में कैंप किया है। 15 टीमें विभिन्न इलाकों में छानबीन करके इनपुट तलाश रही हैं। वहीं, श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है। रामनगरी में लगभग 30,000 जवान तैनात किए जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही कैंप किया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह-छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। अयोध्या में होने वाली तमाम संभावित गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई। यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है। यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला है।

संपादकीय

अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति और रोगियों पर परीक्षण करना आर्थिक भ्रष्टाचार से ज्यादा गंभीर

दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने और जमीनी स्तर पर काम करने का दावा लगातार करती रही है। पार्टी इन क्षेत्रों में किए गए कामों को एक आदर्श के रूप में प्रचारित करती रही है। मगर शिक्षा और स्वास्थ्य के ढांचे में सुधार की हकीकत अक्सर ऐसी खबरों के जरिए सामने आती रही है, जिनसे कई सवाल उठते हैं। हाल ही में दिल्ली के कुछ अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति का मामला उठा। यह बेहद गंभीर इसलिए है कि किसी नकली दवा का दुष्प्रभाव भयावह नतीजे दे सकता है। यही वजह है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ से कराने का आदेश दिया है। इस मसले पर उठे विवाद के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने गृह मंत्रालय से मामले की सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी। विचित्र है कि एक ओर दिल्ली के कुछ अस्पतालों में मरीजों के लिए नकली दवाएं भेजी जाती रहीं और दूसरी ओर सरकार स्वास्थ्य के मोर्चे पर बेहतरीन कामकाज का हवाला देती रही। इसके अलावा, पिछले वर्ष यह मामला भी सुर्खियों में आया था कि दिल्ली सरकार के बहुप्रचारित मोहल्ला क्लीनिकों में चिकित्सक नहीं आते, मगर उनकी उपस्थिति दिखाई जा रही थी। साथ ही, निजी प्रयोगशालाओं को लाभ पहुंचाने के मकसद से मरीजों को फर्जी जांच परामर्श दिए जा रहे थे। बाद में यह पहलू भी सामने आया कि फर्जी मरीजों पर परीक्षण किए गए। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस क्रम में बिना विस्तृत जानकारी दिए जिन लोगों का परीक्षण किया गया होगा, उनकी सेहत के साथ किस स्तर का खिलवाड़ हुआ। इस मामले में भी उपराज्यपाल ने सीबीआइ जांच का आदेश जारी किया है। सवाल है कि आमतौर पर देश में अन्य पार्टियों की सरकारों को कथनी और करनी के स्तर पर अलग होने के लिए उन पर अंगुली उठाने वाली आम आदमी पार्टी की सत्ता में इस तरह की लगातार गड़बड़ियां क्यों सामने आ रही हैं! अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति और रोगियों पर परीक्षण किसी आर्थिक गड़बड़ी के समांतर ज्यादा गंभीर भ्रष्टाचार है, जिसके शिकार हुए लोग या तो पहले से ज्यादा जटिल रोग का शिकार हो सकते हैं या फिर उनकी जान भी जा सकती है। इन तथ्यों के जगजाहिर होने के बावजूद आखिर सरकार का तंत्र कैसे काम कर रहा है कि अस्पतालों में दवा की आपूर्ति करने वाला कोई गिरोह नकली दवाएं भेज देता है या फिर किसी रोगी को गलत तरीके से परीक्षण की आंच में झोंक देता है। जब दावा करने का वक्त आता है तो आम आदमी पार्टी के कर्ताधर्ता हर महकमे में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करने की दुहाई देते हैं। अगर इसमें कोई सच्चाई है, तो मरीजों की सेहत और जान पर जोखिम के पक्ष को ताक पर रख कर कुछ भ्रष्ट लोग कैसे अपनी मनमानी करने में कामयाब हो जाते हैं? कोई भी मरीज अपनी बीमारी ठीक होने या जान बचाने की उम्मीद से अस्पताल पहुंचता है, लेकिन अगर इलाज के नाम पर उसे नकली और प्रयोगात्मक दवाएं दी जाती हैं या फिर उसे अंधेरे में रख कर कोई परीक्षण किया जाता है तो निश्चित रूप से यह बेहद खतरनाक और कई स्थितियों में जानलेवा भी है।

चल रही है जंग !

सीट बंटवारे पर ।
चल रही है जंग ।।
हम ही हैं मजबूत यहां ।
भर रहे सब दंभ ।।
अंदर की तकरार पर ।
सार्वजनिक बयान ।।
सबका अपने-अपने ।
हैं कुछ तो अरमान ।।
बात बननी तय ।
लेकिन उससे दूर ।।
चाय पानी लेकर के
आनंद अभी भरपूर ।।
रास्ता निकालना ।
करने दो दो हाथ ।।
ना है यह दिखावा ।
चल रहे हैं साथ ।।
-कृष्णेन्द्र राय

आखिर क्या है मोदी की गारण्टी ? क्यों सब कहते हैं मोदी है तो मुमकिन है?

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने हर कदम से बहुत-से संदेश देते हैं तभी तो भारत में सिर्फ 'मोदी की गारंटी' ही चलती है। समस्या भले विकराल से विकराल हो लेकिन आम से लेकर खास आदमी को उसके सुलझने का पूरा भरोसा रहता है क्योंकि सभी को पता है कि 'मोदी है तो मुमकिन है' कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि आज की सबसे बड़ी हकीकत है। आकाश की ऊँचाई और धरती की गहराई से पूरी तरह परिचित मोदी जमीन पर अपने पाँव सदा टिकाए रखते हैं तभी तो चुनावी राजनीति में उनका विजय रथ सदा सफलता के साथ दौड़ता रहता है।

मोदी तेजस लड़ाकू विमान से उड़ान भरते हैं तो दुश्मन का दिल तो कांपता ही है साथ ही भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादों की ग्लोबल ब्रांडिंग भी हो जाती है। मोदी लक्षद्वीप में स्नॉर्कलिंग करते हैं तो विपक्ष के मन में प्रश्न उठता है कि वह समुद्र की गहराइयों में क्या खोजने निकले हैं साथ ही प्रधानमंत्री की तस्वीरों से भारत के इस खूबसूरत द्वीप का ग्लोबल विज्ञापन भी हो जाता है। इसी प्रकार कोरोना काल में जब मोदी अल सुबह ऑटो रिक्शा में बैठकर कोरोना वैक्सीन लगवाने गये थे तब भी यही संदेश गया था कि प्रधानमंत्री पद पर होने के बावजूद अपनी बारी आने पर ही मोदी ने साधारण तरीके से अस्पताल जाकर टीके की खुराक ली थी। ऑटो रिक्शा की सवारी कर मोदी ने अपने पैर धरती पर जमे होने और भारत में आम और खास के समान होने का संदेश भी दिया था।

मोदी के दिल में गरीब और पीड़ित के लिए कितना दर्द है यह समय-समय पर उनकी सरकार के फैसलों से सामने आता ही रहता है। मोदी गरीबों के लिए सिर्फ योजनाएं बनाते ही नहीं हैं बल्कि लाभार्थियों के घर जाकर यह भी जानते हैं कि योजनाओं का लाभ बिना किसी भ्रष्टाचार के उन तक पहुँच रहा है या नहीं? मोदी ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का और नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित करा कर उन्हें उनका लंबित और वाजिब हक दिलाकर स्त्री शक्ति का ऐसा आशीर्वाद हासिल किया है कि विभिन्न चुनावों से पहले भले तमाम एग्जिट पोल भाजपा की हार की भविष्यवाणी करती रहें लेकिन महिलाएं मोदी का रक्षा कवच बन कर खड़ी हो जाती हैं। इसके अलावा मोदी छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाने के लिए उनके साथ परीक्षा पर चर्चा करते हैं और चुनौतियों से निबटने का मंत्र देते हैं। मोदी युवाओं को अपना उद्योग-धंधा स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। किसानों, युवाओं, कलाकारों, खिलाड़ियों, वैज्ञानिकों और डॉक्टरों समेत समाज के तमाम वर्गों के साथ प्रधानमंत्री का नियमित संवाद उन्हें हर दिल अजीज बनाये हुए है। मोदी सैन्य वेशभूषा में आयें तो जवानों का जोश हाई हो जाता है। मोदी मेट्रो में चले जाएं तो सेल्फी लेने की होड़ मच जाती है। मोदी वैश्विक मंच पर हों तो बड़े से बड़ा नेता उनसे हाथ मिलाने या गले लगाने को आतुर दिखता है। अमेरिका के राष्ट्रपति मोदी को अपने से ज्यादा लोकप्रिय बताते हैं तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री उन्हें बॉस कह देते हैं। किसी देश का प्रधानमंत्री मोदी के पैर छू लेता है तो तमाम राष्ट्राध्यक्ष उन्हें अपने देश का सर्वोच्च सम्मान देने को आतुर दिखते हैं। भारत के मित्र देश तो मोदी की तारीफ करते ही हैं लेकिन दुश्मनी रखने वाले पाकिस्तान और चीन भी यह स्वीकारते हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में तेजी से मजबूत हुआ है।

प्राकृतिक आपदाओं से निबटने के लिए मोदी ऐसी तैयारी करते हैं कि तूफान और चक्रवात बस अब हमारे तटों को छूकर जाने लगे हैं। जानमाल का नुकसान रोकने में मोदी सरकार बेहद सफल रही है। इसके अलावा, मोदी अगर भारतीयों को अन्न, जल, शिक्षा, विकास, रोजगार, महंगाई से राहत, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की गारंटी देते हैं तो दुनिया को भी जरूरत पड़ने पर मदद की गारंटी देते हैं। महामारी के समय दुनिया ने देखा कि वैक्सीन मैत्री अभियान चला कर पूरी दुनिया खासकर गरीब देशों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन दी गयी। इसके अलावा आज स्थिति यह है कि दुनिया में कहीं भूकंप आये, कोई अन्य प्राकृतिक आपदा आये तुरंत मोदी के निर्देश पर भारत के राहत कर्मी मदद के लिए निकल पड़ते हैं। मोदी का वैश्विक प्रभाव कितना है इसे इसी बात से समझ सकते हैं कि कहीं युद्ध छिड़ जाये तो वहां युद्ध लड़ रहे देश मोदी के निर्देश पर भारतीयों को सकुशल निकल जाने का सुरक्षित रास्ता दे देते हैं। मोदी ने ग्लोबल साउथ के मुद्दों को जिस प्रकार से उठा कर इन देशों की जरूरतों से दुनिया को अवगत कराया उसके लिए इस क्षेत्र के देश मोदी का आभार व्यक्त करते नहीं थकते। मोदी राज में भारत जिस तरह हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, भारत की कामयाबी का डंका जमीन से लेकर चंद्रमा तक बज रहा है, भारत जिस तरह एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में खड़ा हुआ है और जी20 की अध्यक्षता के दौरान दुनिया के समक्ष साबित किया है कि वह विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम है उसके चलते दुनिया के देश भारत के बारे में अपनी पुरानी राय बदलने को मजबूर हुए हैं। दुनिया यदि नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व पर विश्वास कर रही है तो उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पूरा विश्व इस बात को मानता है कि वह ऐसे राजनीतिज्ञ हैं जो किसी भी कीमत पर अपने देश के हितों पर आंच नहीं आने देंगे।

साथ ही दुनियाभर में मोदी की अप्रूवल रेटिंग 76 प्रतिशत होना दशार्ता है कि 'मोदी की गारंटी' भारत में हिट है और 'मोदी का जादू' दुनिया में सुपरहिट है। वैसे दुनिया में लोकप्रियता के आकाश पर लगातार बरकरार रहने वाले मोदी जमीन से भी उतने ही जुड़े हुए हैं। मोदी विभिन्न माध्यमों के जरिये जनता के साथ सीधा संवाद बनाये रखते हैं। अक्सर देखने में आता है कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुँचने वाली हस्तियां अपने आप को भगवान समझने लगती हैं और लोगों से अपनी तारीफों के पुल बंधवाना उन्हें अच्छा लगता है लेकिन मोदी अपने पार्टीजनों और आम लोगों से कहते हैं कि उनके नाम के आगे जी नहीं लगाते हुए उन्हें सिर्फ मोदी कह कर ही पुकारा जाये। मोदी जनता से और अपने नेताओं से किसी प्रकार की दूरी नहीं चाहते इसलिए हर प्रकार की औपचारिकता से भी दूर रहते हैं। बहरहाल, जो लोग अब भी मोदी की गारंटी का अर्थ नहीं समझे हैं वह सबसे ताजा उदाहरण उत्तरी अरब सागर में अपहृत वाणिज्यिक जहाज में सवार लोगों से ले सकते हैं। उन सभी को जब भारतीय नौसेना ने बचाया तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्हें पूरी उम्मीद थी कि भारत सरकार उनकी मदद के लिए जरूर आयेगी। ऐसा ही भरोसा उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे श्रमिकों को भी था कि मोदी सरकार उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो आज दुनिया में कहीं भी हालात खराब हों तो वहां रह रहे भारतीयों को पूरा भरोसा रहता है कि भारत सरकार किसी भी कीमत पर उन्हें बचाने के लिए जरूर आयेगी।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे की राह में बड़ी बाधा बन गयी प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी

योगेंद्र योगी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीतीं थीं लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे की यूबीटी की 23 संसदीय सीटों की मांग पर तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना 23 सीटों की मांग कर सकती है, लेकिन वे उनका क्या करेंगे? शिवसेना के नेता चले गए हैं, जिससे संकट पैदा हो गया है। उम्मीदवारों की कमी शिवसेना के लिए एक समस्या है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अब एमवीए का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे और 40 अन्य विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया।

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेगा। पूर्व सीएम ने ये भी कहा कि 80 सीटें जीतकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। दरअसल कांग्रेस नहीं चाहती कि बैठक में कोई ठोस निर्णय से पहले किसी तरह की जल्दबाजी करे। ऐसे में विपक्ष की एकता के बिखराव का ठीकरा कांग्रेस के सिर फूटेगा। इसी से कांग्रेस फिलहाल बचना चाहती है। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा। बंगाल में इस लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। इससे जाहिर है कि ममता ने कांग्रेस को साफ संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग का मुगालता नहीं पाले। इस पर भी कांग्रेस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस के लिए बिहार में भी सीट शेयरिंग के दरवाजे आसानी से खुलने की संभावना नहीं है। ममता और अखिलेश की तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी इस बात के समर्थक रहे हैं कि जिन राज्यों में जिन दलों का प्रभाव है, अर्थात पिछले लोकसभा चुनाव में जिस दल की सीटें जितनी हैं, उस हिसाब से सीट शेयरिंग की जाए। ऐसे में बिहार में कांग्रेस के लिए तालमेल बिठाना मुश्किल है।

गैर इरादतन हत्या का वांछित आरोपी को जमानियां पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में रवीवार को उप निरीक्षक ओमप्रकाश यादव मय हमराह द्वारा समय करीब 10.00 बजे सुबह अभियुक्ता निशा चौधरी पत्नी स्व0 सुबाष चौधरी निवासी ग्राम गोडसरा थाना रामगढ जनपद कैमुर भभुआ बिहार हाल पता निवासी ग्राम धुस्का थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर को उसके घर से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक ओमप्रकाश यादव थाना जमानियाँ, कांस्टेबल मानसिंह पटेल थाना जमानियाँ, महिला कांस्टेबल प्रिया सिंह थाना जमानियाँ गाजीपुर शामिल रहे।

बगैर हेलमेट और गलत साइड वाहन चलाने वालों पर आरटीओ विभाग ने चलाया चाबुक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले में 31 दिसम्बर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत पुलिस प्रशासन के अलावा आरटीओ और परिवहन निगम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा था, तथा कार्यवाही के लिए चालकों को आगाह भी किया गया था। सड़क सुरक्षा के क्रम में रवीवार को एआरटीओ सौम्या पांडेय के नेतृत्व में जिले की सैदपुर तहसील में बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों तथा गलत दिशा में वाहन चलाने वालों की सघन जांच की गई। साथ ही चालान की कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 103 वाहनों की जांच कर 34 वाहन चालकों का चालान किया गया। हेलमेट तथा गलत दिशा में वाहन चलाने वालों तथा तीन सवारी बैठाकर चलने वालो 60 हजार रूपए का चालान काटे गए।

गरीब को नहीं मिल रहा आशियाना, तिरपाल के नीचे जिंदगी गुजारने को मजबूर

आवास के लिए अधिकारियों के कार्यालयों का लगा रहा चक्कर, नहीं हो रही सुनवाई

प्रखर शाहगंज, जौनपुर। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर गरीब को पक्का मकान देने का सारा दावा छिडवा भादी गांव गाँव में फेल साबित हो रहा है। गांव के दिलीप कुमार प्रजापति और उनकी पत्नी चंपा देवी छोटे बच्चों के साथ तिरपाल के नीचे जाड़ा, गर्मी और बरसात हर मौसम में रहने को मजबूर हैं। पक्के मकान के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों के कार्यालयों का चक्कर लगाकर थक जा रहे हैं लेकिन उनकी सुनवाई किसी भी कीमत पर नहीं हो रही है। यहां पिछले 50 वर्षों से अत्यंत गरीब परिवार के लोग अपने घर के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें आज तक पक्का घर नहीं मिल पाया है। हालात यह है कि गरीबी की जिंदगी गुजर बसर करने वाले इन परिवारों ने सबों से गुहार लगाई, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला।

कच्चे टूटे-फूटे मकान में प्लास्टिक की तिरपाल बिछाकर ये गरीब परिवार अपनी जिंदगी गुजर बसर कर रहे हैं। इतना ही नहीं बारिश ने तो इन परिवारों पर कहर बरपाया था। यह हाल है ग्राम छिडवा भादी, विकास खंड सोंधी ग्राम पंचायत का। छिडवा भादी निवासी स्वर्गीय मुन्नीलाल जिनकी विगत कुछ समय पूर्व मृत्यु हो गई। जो अपनी पूरी उम्र मिट्टी का बर्तन बनाने का कार्य करके घर की रोजी रोटी चलाते थे। जिनकी मृत्यु का कारण गरीबी बताया जाता है। जिनका दवा के अभाव में मृत्यु हो गया। स्व.मुन्नीलाल के पुत्र दिलीप कुमार प्रजापति आज भी बरसात में छाता के भरोसे समय गुजारते हैं।तिरपाल के नीचे रात अपने पत्नी और बच्ची संग गुजारते है। घर की महिला चम्पा प्रजापति का कहना है कि घर नहीं रहने के कारण शादी विवाह में भी दिक्कतें आती हैं।गरीबी की मार झेल रहे इन परिवारों का मजदूरी से ही गुजर बसर होता है। महंगाई की मार के चलते इन परिवारों को महज दो वक्त की रोटी मिल पाती है।यही वजह है कि ये परिवार उम्र के इस पड़ाव पर भी अपना पक्का घर नहीं बना पा रहे हैं। चिलचिलाती धूप एवं बदलते ठंड और बरसात के मौसम में दिलीप कुमार और उनकी पत्नी चम्पा अपने पुश्तैनी पैतृक निवास पर तिरपाल लगाकर छांव करने का प्रयास कर रहे हैं।

मामले की जांच उपरांत पात्र व्यक्ति को आवास दिलाया जाएगा। प्राथमिकता के तौर पर हर जरूरतमंद और गरीब को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ संबद्ध भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय रेलवे मजदूर संघ के तत्वावधान में मंडलीय कार्यालय में मंडलीय अधिवेशन संपन्न

प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ संबद्ध भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय रेलवे मजदूर संघ के तत्वाधान में मंडलीय कार्यालय लहरतारा वाराणसी में मंडलीय अधिवेशन संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि अशोक तिवारी महापौर वाराणसी अति विशिष्ट अतिथि अनुपम क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर मध्य क्षेत्र भारतीय मजदूर संघ विशेश्वर राय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश भारतीय मजदूर संघ राधा वल्लभ त्रिपाठी संगठन मंत्री भारतीय रेलवे मजदूर संघ जोनल अध्यक्ष अरविंद कुमार और महामंत्री बजरंगी दुबे की गरिमामय उपस्थिति रही। अधिवेशन में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष सर्वेश कुमार पांडे, मंडल मंत्री हरिनारायण शर्मा, संगठन मंत्री सह मीडिया प्रभारी विकास केशरी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र यादव के साथ कार्यकारी अध्यक्ष पी के सिंह, मिथिलेश राय, सह संगठन मंत्री महेंद्र नाथ, राहुल यादव उपाध्यक्ष सिल्वेस्टर मेंस वीरेंद्र चौहान सहायक मंडल मंत्री राकेश गिरी आशुतोष दुबे, अनीश राय, कार्यालय मंत्री अयोध्या गुप्ता को नई जिम्मेदारी दी गई।

वन्यजीव एवं पर्यावरण के प्रति संवेदी बनाएंगी फिल्में

11, 12 एवं 13 जनवरी को आयोजित होगा वन्यजीव व पर्यावरण पर फिल्मोत्सव, संस्कृति पब्लिक स्कूल दिव्यनगर एवं आत्मदीप विद्यालय सिक्टौर के छात्र

प्रखर गोरखपुर। इको टूरिज्म की थीम पर होने जा रहे गोरखपुर महोत्सव 2024 के दौरान वन्यजीव व पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए इस बार भी फिल्म्स फॉर ह्युमैनिटी श्रृंखला में निशुल्क फिल्मोत्सव का आयोजन होगा। इस फिल्मोत्सव का आकर्षण ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भी है जिनमें वन्यजीव व पर्यावरण संबंधी 43 सवालों का जवाब देने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र पाने का अवसर मिलेगा। हेरिटेज फाउंडेशन के मनीष चौबे ने संस्कृति पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ जयंती सिंह एवं आत्मदीप विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ मधु वर्मा से मुलाकात कर उन्हें और उनके विद्यार्थियों को आमंत्रित किया है। प्रभागीय वन अधिकारी विकास यादव ने बताया कि गोरखपुर महोत्सव के अन्तर्गत फिल्म्स फॉर ह्युमैनिटी श्रृंखला में 'इको टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ, इनवायरमेंट एंड क्लाइमेटचेंज" पर फिल्मोत्सव योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं संस्कृति केंद्र के सभागार में 11, 12 एवं 13 जनवरी को हर दिन दोपहर 12.30 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगा। फिल्म प्रदर्शन के बाद संवाद का कार्यक्रम होगा। धरती की रक्षा का संकल्प भी दिलाया जाएगा। फिल्मोत्सव में संस्कृति पब्लिक स्कूल एवं आत्मदीप विद्यालय सिक्टौर के विद्यार्थी बड़ी संख्या में तीनों दिन शामिल होंगे।

ऐसे करें क्विज में प्रतिभाग– गोरखपुर पर्यावरण रत्न से सम्मानित हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता के लिए हेरीटेज फाउंडेशन इंडिया डॉट ओरजी की वेबसाइट (www.heritage-foundationindia.org) पर लिंक उपलब्ध है।फार्म भरने के लिए स्टार्ट क्विज बटन पर जाना होगा। क्लिक करने पर गेट योर आईडी पासवर्ड का आप्शन आएगा। उसके बाद पंजीकरण का फार्म मिलेगा जिसमें खुद से संबंधित कुछ जानकारियां भरनी होंगी। इसके बवास्तविक सूचनाएं भरने के बाद आईडी और पासवर्ड जनरेट हो जाएगा। उसी आईडी पासवर्ड की मदद से क्लिक हियर फार टेस्ट बटन पर क्लिक कर टेस्ट में शामिल हो सकते है।

पात्रों तक योजनाएं पहुंचाना विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत एलईडी वैन (जागरूकता वाहन) सहजनवा ब्लाक के अनन्तपुर ग्राम पंचायत में पहुंची, मुख्य अतिथि पंचायतिराज सलाहकार मदनमुरारी गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक लाभार्थी तक सरकार की योजनाएं पहुंचाना ही विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है। विशिष्ठ अतिथि किसान मोर्चा के प्रह्लाद यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को प्रचार वाहन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को मिले। सभी वैन पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वे मौके पर ही लोगों की शिकायतों का निस्तारण कर रहे है। यह यात्रा स्वच्छ भारत मिशन कि सुविधाएं, आवश्यक वित्त पोषण सुविधाएं, एलपीजी कनेक्शन, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ पेय जल सुविधा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं के बारे में जागरूकता लाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान जोखू निषाद ने किया इस अवसर पर एडीओ कृषि जितेंद्र तिवारी, ग्राम सचिव सुषमा चौबे, रोजगार सेवक घनश्याम, रमेश पांडेय, जयसिंह, सहित आशा, आगनबाड़ी और भारी संख्या में लोगो ने एलईडी स्क्रीन पर भी विकसित भारत संकल्प यात्रा देखी।

ग्रामीणों ने की जर्जर विद्युत तार के नवीनीकरण की मांग

प्रखर कुशीनगर। तमकुही विकासखंड के ग्राम पंचायत पड़री विशुन दयाल में पुराने व जर्जर हो चुके विद्युत तार को ग्रामीणों ने नवीनीकरण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत तार गांव के बीचो बीच से सड़क के ऊपर से गुजरा है जो आए दिन टूट कर गिर जाता है। इससे कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। जिससे किसी की जान भी जा सकती है। तार इतने जर्जर हो गए हैं कि तेज हवा आते ही टूट कर गिर जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर खुले तार की वजह से खतरे का भय हर समय बना हुआ है। ग्रामीणों ने लगे खुले तार की जगह पर केबिल तार के प्रयोग की मांग की। ताकि सड़क पर आने जाने वाले लोग को किसी तरह के अनहोनी का डर न रहे। इस संबंध में पूछे जाने पर तमकुहीराज विद्युत उपखंड के जेई परवीन पांडेय का कहना है कि मौके पर गांव में जाकर निरीक्षण करेंगे।

सादात पुलिस ने किया गोवंश हत्या निवारण में वांछित अभियुक्तगण को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवम अपराधियो के विरुद्ध चलाए जा रहे आभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्वेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के कुशल निर्देशन मे थाना सादात पुलिस टीम द्वारा दिनांक 04 जनवरी 2024 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 3/5ए/5बी/8 गौवंश हत्या निवारण अधि0* में वांछित अभियुक्तगण मारकण्डेय यादव पुत्र स्व0 सतीराम यादव ग्राम भैसही थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर, आनन्द उर्फ मोनू यादव पुत्र राजेश यादव ग्राम सलेमपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर को आज रवीवार को गिरफ्तार किया गया।

आयुष मंत्री ने काशी से अयोध्या तक की धर्मयात्रा

रामलला के दरबार में टेका मत्था, विश्व कल्याण की कामना की, राम मंदिर निर्माण का अफसरों के साथ लिया जायजा

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अयोध्या की त्रेता युग की छवि हर कोई को खींच रही है इस आकषर्ण से प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु भी अछूते नहीं रहे ,संकल्प के साथ शनिवार को उन्होंने काशी से अयोध्या तक धर्मयात्रा की साथ में कार्यकर्ता भी मौजूद थे` मंदिर परिसर में पहुंचकर उन्होंने रामलला के दर्शन किये,श्रीराम दरबार में मत्था टेका` विश्व कल्याण के लिए कामना की इसके बाद अयोध्या परिक्षेत्र स्थित हनुमानगढ़ी पहुंचे ,रामभक्त हनुमान का दर्शन-पूजन कर स्वस्थ समाज के लिए प्रार्थना की फिर अफसरों से मंदिर निर्माण के बाबत जानकारी ली। 22 जनवरी को आयोजित होने वाले आयोजन को लेकर चर्चा की, पूरे परिक्षेत्र का दौरा किया, कोने-कोने का जायजा लिया मंत्री ने कहा कि आखिरकार पांच सौ साल के इंतजार के बाद राम मंदिर निर्माण का सपना पूरा हुआ` प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ यह हिंदुओ के लिए गौरव की बात है श्रीराम सबके हैं उनके मंदिर निर्माण से पूरा भारत उत्साहित है। आयुष मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी ने बताया कि प्रदेश सरकार के आयुष,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु के साथ इस धर्मयात्रा में अमित पांडेय, संतोष सैनी, अजय दुबे (अज्जू),अरुण पांडेय आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से शामिल थे।

मुराही देवी के श्रद्धांजलि सभा में 450 ग्रामीणों को किया गया कंबल का वितरण

प्रखर दुल्लहपुर (गाजीपुर)। क्षेत्र के जफरपुर गांव में विक्रमा यादव इंटर कॉलेज पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य डा रामवृक्ष यादव की बड़ी माता मुराही देवी के श्रद्धांजलि सभा में 450 ग्रामीणों को कंबल वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्धाटन शेरपुर कुटी के महंत शिव गणेश दास ने मुराही देवी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर शुरू किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक जै किशन साहू, संचालन श्यामलाल यादव ने किया। मौके पर पूर्व विधायक जखनिया त्रिवेणी राम, सपा जिला अध्यक्ष गोपाल यादव पूर्व सपा जिला अध्यक्ष सुदर्शन यादव एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख छोटू यादव ,लालजी सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर मुराही देवी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में गत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। इस कार्यक्रम में कंबल वितरण के साथ 450 लोगों का भोजन का पैकेट विवरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सदर विधायक जै किशन साहू ने कहा कि जीवन के साथ मृत्यु भी निश्चित है जो जन्म लिया है उसे एक दिन अवश्य मरना पड़ेगा ।लेकिन जाने वाले की याद में कुछ ऐसा कर दिया जाए जिससे लोगों को इसका लाभ मिले यह उस गतआत्मा की शांति के लिए एक महत्वपूर्ण पहल होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए डा रामवृक्ष यादव जी ने अपने क्षेत्र के गरीब, विकलांग, विधवा तथा आर्थिक रूप से रूप से कमजोर लोगों को कंबल वितरित कर बहुत ही नेक कार्य किया है। शेरपुर कुटी के महंत शिव गणेश दास ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मृत्यु ही सत्य है जो जन्मा शो मरा लेकिन मनुष्य को अपने कर्म में कुछ ऐसा जोड़ना चाहिए कि लोग उसे युगों युगों तक याद करें। क्योंकि नाम ही अमर होता है शरीर तो नश्वर है। इस मौके पर राजेश प्रताप यादव, रंगीला यादव, हरेंद्र यादव, अशोक यादव ,जमुना यादव , कतवारू मौर्य, रामलाल यादव, राजेश तिवारी, सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

धोखाधड़ी के मामले में नागालैंड की कंपनी के खिलाफ वाराणसी कोर्ट में मुकदमा दर्ज करने का आदेश

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। फर्जी बिल बाउचर बनाकर रुपए ऐंठने की कोशिश करने के मामले में अदालत ने नागालैंड की कंपनी उसके मालिकान और मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है` अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (पंचम) नृपेन्द्र कुमार की अदालत ने यह आदेश सेनपुरा,चेतगंज निवासी वादी मुकदमा शिवभजन गुप्ता कीबोर से दिए गए प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद दिया`प्रकरण के अनुसार वादी मुकदमा शिवभजन गुप्ता ने अपने अधिवक्ता अनुज यादव, सौरभ यादव व मो.आसिफ के जरिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत प्रार्थना पत्र दिया था` आरोप था कि उसकी फर्म बांके बिहारी केमिकल्स जो केमिकल का व्यवसाय करती है उसका वह प्रोपराइटर है उसको एक मई 2023 को एक लीगल नोटिस योगेन्द्र प्रसाद गुप्ता निवासी दीमापुर,नागालैण्ड द्वारा भेजी गयी थी उस नोटिस में कहा गया था कि दीमापुर, नागालैंड स्थित फर्म भोले बाबा कैमिकल्स प्रा०लि० द्वारा प्रार्थी की फर्म बांके बिहारी केमिकल्स को 3,40,62,352/- रुपये का केमिकल भेजा गया जिसका भुगतान प्रार्थी की फर्म द्वारा नहीं किया गया जबकि प्रार्थी द्वारा उक्त फर्म से कभी कोई व्यवसायिक वार्ता या व्यवसाय नहीं किया गया` जब उसने मामले की जानकारी की तो पता चला कि अभियुक्तगण फर्जी फर्म बनाकर फर्जी ट्रांसपोर्ट की बिल्टी एवं ई०वे०बिल लगाकर फर्जी बिल जारी करते हैं वास्तव में न तो मालगाड़ी पर लोड होता है ना कहीं माल भेजा जाता है ` अभियुक्तगण माल का आदान प्रदान करने के लिए फर्जी बिल बनाकर तथा उसके आधार पर माल को पेट्रोल पम्पों पर बेच देते हैं अभियुक्तगण इस तरह की कई फर्म बनाये हैं जिनमें एक फर्म सोनी पेट्रो केमिकल्स खटपटी आसाम में हैं जिसके मालिकान अपने लोगों के साथ केवल बिल का आदान प्रदान करते हैं` अभियुक्तगण की उपरोक्त फर्म के कथित मैनेजर श्याम बहादुर सिंह द्वारा अपने मोबाइल नंबर-7387436662 से प्रार्थी के मोबाइल नंबर 9839057282 पर फोन कर धमकी भरे लहजे में कहा गया कि हम लोगो ने तुम्हारी फर्म के विरुद्ध फर्जी बिल पूर्व में काटे है जिसके एवज में तुम्हें हम लोगों को 50 लाख रूपया देने पड़ेंगे अन्यथा उन्हीं फर्जी बिलों के आधार पर तुम्हारे व तुम्हारे फर्म के विरुद्ध दीमापुर नागालैण्ड राज्य में आपराधिक मुकदमे दर्ज करवा कर तुम्हें नागालैण्ड बुलवाकर तुम्हारी हत्या करा देंगे जबकि उक्त फर्म जिस समयावधि में प्रार्थी की फर्म को माल भेजना कहा जा रहा है उस समयावधि में उक्त फर्म के पास केमिकल का व्यवसाय करने हेतु साल्वेंट लाइसेंस व स्टोरेज लाइसेंस नहीं था और ना उक्त समय अवधि में कोई माल भेजा गया` उक्त फर्म भोले बाबा केमिकल्स प्रा०लि, उसके निदेशकगण राजेश्वर साह, केवी बोस, दीनानाय साह एवं मैनेजर श्याम बहादुर सिंह द्वारा गलत एवं असत्य तथ्यों के आधार पर विधिक नोटिस भेजकर प्रार्थी पर नाजायज दबाव बनाकर अवैध धन उगाही का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है इसकी शिकायत पुलिस से करने पर जब कोई कार्यवाही न हुई तो उसने अदालत की शरण ली।

योगी आदित्यनाथ के जीवन काल से वर्तमान तक के सफर पर लिखी पुस्तक : सुनील कुमार मिश्रा

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के जीवन काल से वर्तमान तक के सफर को डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने अपनी पुस्तक में समाहित करने का प्रयास किया है, इस पुस्तक में नौ अध्याय है और प्रत्येक अध्याय अपने आप में महत्वपूर्ण है, प्रथम अध्याय के कुछ बिंदुओं को साझा किया जा रहा है जिसमे उनके बाल्यकाल से तपस्वी बनने तक का सफरनामा संग्रहित है और इसके बाद एक तपस्वी का समाज सेवा के क्षेत्र में समाज और देश के निर्माण हेतु आगमन होता है और उस दौर के राजनीति को जागृति करने का कार्य पूज्य महाराज जी ने किया और सभी धर्मो,जातियों के लोगो के लिए दिल खोल कर कार्य किया जा रहा है, और उनके पास कोई न अमीर है न कोई गरीब है, जो भी जिस भाव से आया उसकी सर्वथा विधि के दायरे में सहायता की गई और जब भी देश के लिए जरूरत पड़ी तो उन्होंने अपना सर्वोच्च योगदान दिया। एक तपस्वी जब प्रदेश का मुखिया बने तब प्रदेश कई तरह की समस्यायों से घिरा हुआ था,और बेरोजगारी बढ़ रही थी और अभी कुछ समय बीता ही था की इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी कोविद नाइंटीन का भी सामना हुआ। इन सब हालातों से लड़ते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बहुत कम समय में उत्तर प्रदेश देश विदेश में एक अलग मुकाम और पाचन स्थापित किया। आज पूरे भारतवर्ष में कानून व्यवस्था का जिक्र होता है तो यूपी का नाम लिया जाता है की कैसे महाराज जी ने यूपी जैसे राज्य में कानून का राज कायम कर दिया,और सभी प्रमुखता से बुलडोजर नीति का जिक्र करते है, इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण, पिंक बूथ, पुलिस कार्य प्रणाली, तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश के नए मार्गो को प्रशस्त करना यह सब महाराज जी के कुशल नेतृत्व में ही संभव था, पूर्वांचल से मस्तिष्क ज्वर को समाप्त कर देना या उन महिलाओं के लिए वरदान बना जिनके नौनिहाल कम आयु में ही काल के गाल में समा जाते थे, आज उनकी दुवाए भी राज्य सरकार को मिल रही है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में उद्यमियों के लिए ईजी डूइंग आफ बिजनेस मॉडल लाया गया, सिंगल विंडो सिस्टम, निवेश मित्र, आनलाइन आवंटन, फीडबैक, रोजगार, विश्विद्यालयों को फैक्ट्रियों से जोड़ा गया, जिससे निवेश बढ़ा और रोजगार भी बढ़ा तथा छात्रों को अध्ययन के समय में ही तकनीकी बारीकियों का ज्ञान हुआ और उन्हे भी नौकरी पाने और खुद का उद्यम लगाने में सक्षमता मिली। प्रदेश में सभी लोगो को स्किल डेवलपमेंट, के तहत प्रशिक्षण मुहैया कराया गया और इसके तहत ही ओपी ओडी की शुरूवात भी हुई जो सफल रही। पिछले सात वर्षो में यूपी की तस्वीर बदल गई और आज अपना यूपी महाराज जी के कुशल नेतृत्व में नया इतिहास बनाने की ओर अग्रसर है। डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की बहुत जल्द यह पुस्तक आमजनमानस के बीच में होगी और इस पुस्तक को एक बार सभी को पढ़ना चाहिए । इसके साथ ही डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने पुस्तक लेखन में सहयोग देने हेतु सभी लोगो का आभार भी व्यक्त किया।

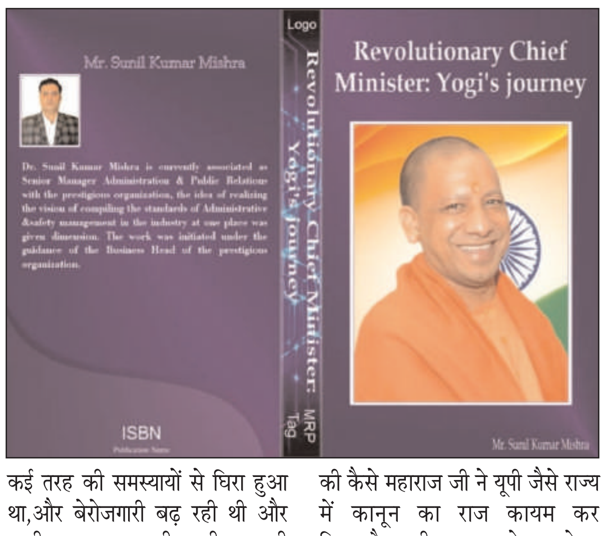

आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने किया कृषिमंडी स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत निर्वाचन सम्बन्धी विविध कार्यो को समयबद्ध एवं सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने एवं निर्वाचन को सकुशल संचालन तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने कृषि मण्डी जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया । जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जंगीपुर के मण्डी सचिव को निर्देश दिया कि अभी से स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर जो भी कार्य कराये जाने है उसको समयान्तर्गत पूर्ण करा लिया जाय। तथा जगह-जगह टूटे नाली, सड़क को ठीक कराने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0/उपजिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर चन्द्रशेखर यादव, तहसीलदार सदर, लो0नि0वि0 के अधीशासी अभियन्ता, ई0ओ0 नगर पंचायत जंगीपुर, निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

बाबतपुर पहुंची संकल्प यात्रा, दिलायी गई शपथ

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विकसित भारत संकल्प यात्रा में रविवार को बाबतपुर पहुँची। जिसमे सैकड़ो ग्रामीणों को योजनाओं के बाबत जानकारी देते हुए संकल्प दिलाया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय बाबतपुर के प्रांगण में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु स्टाल लगाया गया। वही कृषि व स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विविध जानकारियाँ साझा की। इस दौरान जन प्रतिनिधियों के अलावा विद्यालय के शिक्षक और बच्चों को भी सम्मानित किया गया। संकल्प यात्रा में जिला पंचायत सदस्य गौतम सिंह, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, एडीओ एसटी कैलाश यादव, ग्राम प्रधान सुशीला देवी, प्रधानाध्यापक राजेश कुमार कौल, सेक्रेटरी लालबहादुर पटेल , नोडल प्रभारी श्रवण कुमार , प्रमोद सिंह, किसान सहायक स्वेता कुमारी समेत अनेक ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित रहे।

तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से संचालित हो रही अवैध आरा मशीनें

प्रखर जखनियां (गाजीपुर)। पर्यावरण को बचाने के लिए एक ओर जहां कुछ माह पहले घर-घर हरियाली का संदेश दिया जा रहा था। वहीं जखनियां तहसील क्षेत्र में अब दर्जनों अवैध आरा मशीनें धड़ल्ले से संचालित होरही हैं। नियमों को नियमों की अनदेखी कर इन आरा मशीनों में हरे भरे पेड़ों की बलि चढ़ाई जा रही है। आश्चर्य की बात यह है कि हरियाली का पाठ पढ़ाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर ध्यान तक नहीं हैं। पर्यावरण पर बेरहमी से चलती कुल्हाड़ियां एवं आरा सबके सब अनदेखी कर रहे हैं। नतीजतन इन पर अंकुश लगने की बजाय आए दिन अवैध आरा मशीनें बढ़ रही हैं ।मशीनों की जांच के लिए वन विभाग की ओर से कई महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। जबकि सख्ती बरतते हुए उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2002 में अवैध आरा मशीनों पर रोक के आदेश दे चुका है। उसके बाद नए लाइसेंस देना तक बंद कर दिए गए हैं। इसके बावजूद भी जखनियां तहसील क्षेत्र के हंसराजपुर, खतीरपुर, सुजनीपुर, बहरियाबाद, छपरी, दुल्लहपुर,चौरा,आदि जगहों पर बंद दर्जनों अवैध आरा मशीनें चालू की जा चुकी हैं। जिन पर वन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है ।लकड़ी माफिया वन विभाग व पुलिस के सांठगांठ से आरामशीनें संचालित हो रही हैं ।कभी कभार शिकायतों के बाद वन विभाग के अधिकारी कार्रवाई कर पल्ला झाड़ लेते हैं। आरा मशीनों के संचालन से बिना परमिट के वन माफिया लगातार हरे भरे फलदार वृक्षों पर आरा चला रहे हैं ।वन क्षेत्राधिकारी जखनियां विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि मैंने चार्ज लेते ही सभी अवैध आरा मशीन संचालकों को हिदायत दे दी गई हैं की वह अपनी मशीनें बंद कर लें,अब जखनियां रेंज की सभी अवैध आरा मशीनें बंद है ।अगर कोई चलाते हुए मिला तो उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करा कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर बांटा गया अक्षत व आमंत्रण पत्र

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवो व बाजारों में अयोध्या से आए पूजित अक्षत, आमंत्रण पत्र तथा अयोध्या मंदिर की तस्वीर का वितरण कार्य रविवार को रामभक्तों द्वारा घर-घर किया गया। साथ ही 22 जनवरी को रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने तथा शाम को हर मन्दिर व घर में दीप जलाकर दीपोत्सव मानने की अपील की गई। रामभक्तो ने क्षेत्र के फूलपुर, मंगारी, खालिसपुर, कठिराव, थानारामपुर, असिला, सुरही , जगदीशपुर, परसरा समेत अन्य जगहों पर पूजित अक्षत, आमंत्रण पत्र तथा अयोध्या मंदिर की तस्वीर का वितरण किया। इस दौरान आर एस एस के जिला बौद्धिक प्रमुख हेमंत मिश्रा, ब्लॉक सह संयोजक रमेश जायसवाल, सुरेश पांडेय, भानु सेठ, मुन्ना चौरसिया, राजकुमार गुप्ता रमेश , संदीप, जेपी पटेल, कमलेश व राजीव समेत अनेक लोग रहे।

सपा मुखिया अखिलेश यादव के हैदरिया पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हैदरिया पहुंचने पर पार्टी कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सपा मुखिया श्री यादव के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के रास्ते हैदरियां होते बलिया जाने की सूचना पाकर जनपद के अलावा बलिया जनपद से कुछ पूर्व मंत्री सहित अन्य कार्यकर्ता सहित काफी संख्या में लोग पूर्वांचल एक्सप्रेस वे और राष्ट्रीय राजमार्ग 31 के मिलन केंद्र के पास सुबह से ही इकट्ठा होना शुरू हो गए। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के रास्ते अपराह्न लगभग 1:08 पर जैसे ही पूर्व मुख्य मंत्री अखिलेश यादव हैदरिया पहुंचे इकट्ठे लोग उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़े। लगभग एक मिनट तक रुके पूर्व मुख्य मंत्री से हर कोई हाथ मिलाने को बेताब दिखा। सपा मुखिया अखिलेश यादव वाहन पर खड़े होकर अभिवादन स्वीकार करते सर्विस लेन के रास्ते करीमुद्दीनपुर होते बलिया के लिए प्रस्थान किया। बलिया से वापस आते समय शाम को फखनपुरा में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2024 में होने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोट देकर 2014 मैं बनी सरकार को 2024 में सत्ता से हटाने का आह्वान किया।क्षेत्रीय विधायक सुहेब अंसारी 'मन्नू' के अलावा पूर्व विधायक सिबग्तुतल्लाह अंसारी , जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव, प्रदेश में पूर्व सपा सरकार के दौरान मंत्री रहे अम्बिका चौधरी, नारद राय, रामगोविंद चौधरी के अलावा रईस अंसारी, वीरेंद्र यादव, विक्रमा यादव, रामजी राय, अब्दुल वाजिद, नदीम अहमद, रामकृत यादव आदि रहे ।लोगों की भीड़ से राष्ट्रीयराजमार्ग तथा पूर्वांचलएक्सप्रेस वे का आवागमन बनाए रखते हुए पूर्व मुख्य मंत्री की सकुशल यात्रा की व्यवस्था में क्षेत्राधिकारी हितेंद्रकृष्ण तथा थानाध्यक्ष राजेश बहादुरसिंह पुलिस बल के साथ मौजूदरहे ।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

स्नाइपर, अर्धसैनिक बल के साथ एनएसजी कमांडो तैनात

● लखनऊ /ब्यूरो

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां अपने आखिरी दौर में चल रही हैं. 22 जनवरी को पूरे विधि विधान के साथ भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान होंगे, पीएम के साथ-साथ कई दिग्गज नेता भी समारोह में उपस्थित रहेंगे। इसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हुए अयोध्या को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया है।

रेड और येलो जोन में बटी अयोध्या: अयोध्या को सुरक्षा के लिहाज से कई जोन में बांटा जाएगा, जबकि रेड और येलो जोन की ड्रोन से निगरानी की जाएगी। साथ ही पुलिस ने कई कंपनियों ने पुलिस से संपर्क किया है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेटाबेस पर काम करते हुए पूरे इलाके की सुरक्षा को और मजबूत करेंगी।

तैनात रहेंगे 25 हजार जवान : जानकारी के अनुसार, राम मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी यूपी एसटीएफ के साथ-साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों के हवाले होगी और अयोध्या को रेड और येलो जोन में बांटा दिया गया है। 6 कंपनी सीआरपीएफ, 3 कंपनी पीएसी, 9 कंपनी एसएसएफ, 300 पुलिसकर्मी, 47 जवान फायर सर्विस, 38 जवान, 38 जवान एल आई यू, 40 जवान रेडियो पुलिस, दो टीम बम स्कायड, एक कमांडो यूनिट पीएसी, एक यूनिट एसटीएफ के साथ केंद्रीय जांच एजेंसियों और एनएसजी कमांडो भी तैनात रहेंगे।

100 करोड़ का बजट रखा सुरक्षित

रेड जोन में फिदायीन हमले रोकने के लिए क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए गए हैं। मंदिर तक किसी भी संदिग्ध चीज को पहुंचने से रोकने के लिए व्हीकल स्कैनर, टायर कलर, बूम बैरियर लगाए गए हैं और अन्य चीजों को रोकने के लिए स्पेशल एसटीएफटी टीम के एटीएस कमांडो तैनात रहेंगे। साथ ही अयोध्या को लेकर 100 करोड़ का बजट रिजर्व रखा गया है, जिसकी समीक्षा खुद गृह विभाग कर रहा है. वहीं, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम और कमांड कंट्रोल के लिए 8 करोड़ 56 लाख का बजट रखा गया है।

येलो जोन होगा कनक भवन और हनुमागढ़ी

कनक भवन और हनुमानगढ़ी को सुरक्षा के मद्देनजर येलो जोन में रखा गया है। दोनों जगह पर 34 सब इंस्पेक्टर, 71 हेड कॉन्स्टेबल, 312 कांस्टेबल तैनात रहेंगे। पूरे इलाके में सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जाएगी, जिसके लिए 11 करोड़ रुपए से सीसीटीवी कैमरे और उससे जुड़े उपकरण खरीदे गए हैं। साथ ही 44 लाख रुपये की लागत से अग्निशमन उपकरणों को खरीदा गया है, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

सरयू नदी पर तैनात रहेंगे स्नाइपर

सरयू नदी पर सुरक्षा के लिए स्नाइपर तैनात रहेंगे, जिन्हें 2 करोड़ 84 लाख रुपए का बजट खर्च किया गया है. 24 करोड़ रुपये बुलेट प्रूफ गाड़ी, बुलेट प्रूफ जैकेट, एंटी ड्रोन सिस्टम बुलेट प्रूफ मोर्चा नाइट विजन डिवाइस पर खर्च होंगे। 50 करोड़ रुपये डी आर्मर डिस रैफ्टर पर खर्च होंगे।

ऐसी है पीएम की सुरक्षा व्यवस्था

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान हैं। इसी के मद्देनजर अयोध्या में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। पीएम की सुरक्षा में तीन डीआईजी, 17 एसपी, 40 एएसपी, 82 डीएसपी, 90 इंस्पेक्टर के साथ-साथ 1000 से ज्यादा कॉन्स्टेबल और 4 कंपनी पीएसी की तैनात की गई हैं। इसके अलावा एटीएस कमांडो और केंद्रीय सुरक्षाबल के जवानों को भी तैनात किया जाएगा। 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर सुरक्षा के लिहाज से रेड और येलो दो जोन में बांटा जाएगा। कई इलाकों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी. साथ ही पुलिस ने कई कंपनियों ने पुलिस से संपर्क किया है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेटाबेस पर काम करते हुए पूरे इलाके की सुरक्षा को और मजबूत करेंगी।

बांग्लादेश में आज मतदान वहीं विपक्ष की हड़ताल भी

ढाका। बांग्लादेश में रविवार को होने वाले मतदान की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस चुनाव पर भारत और पाकिस्तान की पैनी निगाह है। दोनों ही पक्ष प्रधानमंत्री हसीना की हार-जीत पर नजर गड़ाए हैं। बता दें कि पीएम हसीना का रुख भारत के प्रति हमेशा सकारात्मक और दोस्ताना रहा है।

कई विपक्षी नेता हुए गिरफ्तार

इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अनुपस्थिति के कारण पीएम शेख हसीना के चौथी बार जीत दर्ज करने की उम्मीद है।

विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है और 'अवैध सरकार' के खिलाफ 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने विपक्ष के कई नेताओं के इससे पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। 42,000 मतदान केंद्रों पर रविवार को होने वाली वोटिंग में कुल 11.96 करोड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 उम्मीदवार मैदान में हैं।

धर्मगुरु समेत सात की मौत पुनर्जन्म की चाह में दी जान

कोलंबो। श्रीलंका में एक धर्मगुरु समेत सात लोगों की मौत चर्चा में है। मरने वालों में तीन बच्चे शामिल हैं। ये दावा किया जा रहा है कि आत्महत्या के बाद जल्दी ही दोबारा जन्म लेने के दावे से प्रेरित होकर इन लोगों ने जान दी। मरने वाले तीन बच्चों के खाने में कथित तौर पर उनकी मां ने ज़हर मिला दिया था। स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच के अनुसार, 47 साल के बौद्ध धर्मगुरु रुवन प्रसन्ना गुणरत्ने ने अपने उपदेशों में कहा था कि आत्महत्या के बाद लोग जल्द ही पुनर्जन्म ले सकते हैं।

जापान में भूकंप से मृतकों की संख्या 126 हुई, 200 लापता

टोक्यो। जापान में आए प्रलयकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 126 पहुंच गया है। अभी भी 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। ऐसे में मरने वालों का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की आशंका है। वहीं भूकंप के बाद मूसलाधार बारिश और भयंकर बर्फबारी ने भूकंप पीड़ितों का जीना दूभर कर दिया है। बता दें कि जापान के पश्चिमी तट पर पिछले सप्ताह 7.6 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया था। भूकंप के बाद झटकों से और मकानों के ढहने व मुख्य मार्गों के अवरुद्ध होने से राहत सामग्री को भेजने में परेशानियों का खतरा भी मंडरा रहा है। भूकंप से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र इशिकावा प्रांत के अनुसार, एक बच्चे की हालत अचानक बिगड़ गई।

बेलगोरोड से लोगों को स्थानांतरित कर रहा रुस

मॉस्को। रू स ने बेलगोरोड शहर पर यूक्रेन के घातक हमलों के बाद से कुछ निवासियों को स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि कई परिवार जो यूक्रेन की सीमा के करीब है शहर छोड़ चुके हैं। पिछले सप्ताहांत, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस पर सबसे घातक हमलों में से एक में 25 लोग मारे गए और 100 घायल हो गए। यह हमला हाल ही में यूक्रेन पर रूस के हमलों के बाद हुआ, जिसमें कई लोग मारे गए।

बिलकिस केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के कई सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों की समयपूर्व रिहाई की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। जस्टिसद्वय बी वी नागरत्ना व उज्जल भुइयां की पीठ ने बिलकिस की याचिका और अन्य की याचिकाओं सुनवाई पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आज का इतिहास

- 1761: पानीपत की तीसरी लड़ाई में अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को हराया।
- 1890: विलियम बी. परविस को फाउंटेन पेन के आविष्कार का पेटेंट मिला।
- 1943: अमेरिकी सर्बियाई आविष्कारक निकोला टेस्ला का निधन हुआ ।
- 1947: भारतीय लेखक शोभा डे का जन्म हुआ।
- 1950: हिन्दी फिल्मों के हास्य अभिनेता जॉनी लीवर का जन्म हुआ।
- 1950: बालश्रम विरोधी भारतीय कार्यकर्ता शांता सिन्हा का जन्म हुआ।
- 1953: यूएस राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन की हाइड्रोजन बम के निर्माण की घोषणा।
- 1966: हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक बिमल राय का निधन हुआ।
- 1980: भारत की जनता ने एक बार फिर इंदिरा गांधी के हाथों में सत्ता।

1999- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के विरुद्ध महाभियोग की कार्रवाही शुरू।

नीतीश को जिम्मेदारी देने के सवाल पर कहा, 10-15 दिन में फैसला कर लेंगे

इंडिया संयोजक का सवाल कौन बनेगा करोड़पति जैसा: खड़गे

● नई दिल्ली

28 दलों के विपक्षी गठबंधन इंडिया का संयोजक क्या नीतीश कुमार होंगे? मीडिया के इस सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा- यह कौन बनेगा करोड़पति जैसा है। हालांकि, अगले 10-15 दिनों में गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी। इसमें सभी पदों पर नियुक्ति फाइनल कर ली जाएगी। खड़गे पार्टी दफ्तर में पीसी कर रहे थे। उन्होंने कहा- मणिपुर में दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, लेकिन प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। वे राम मंदिर साइट या बीच पर जाते हैं और फोटो सेशन कराते हैं। वे मुंबई या केरल जाते हैं, हर जगह जाते हैं, आप उनकी फोटो हर जगह देख सकते हैं...वे इस तरह फोटो खिंचवाते हैं, जैसे भगवान दर्शन दे रहे हों, लेकिन ये महापुरुष मणिपुर क्यों नहीं जाता? खड़गे 14 जनवरी से शुरू होने वाले भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा- राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से शुरू हो रही यह यात्रा देश के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और बुनियादी मुद्दों को लेकर निकाली जा रही है। हमें सभी के समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- यह यात्रा जन जागृति के लिए है। इस यात्रा के माध्यम से हम गरीबों और समाज के विभिन्न लोगों से जुड़ने का प्रयास करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रभारी महासचिव संचार जयराम रमेश और महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को पार्टी की आगामी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के प्रतीक और नारे का अनावरण किया।

14 राज्यों से गुजरेगी यात्रा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। लोकसभा चुनाव से 4 माहपूर्व होने वाली यह यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों को कवर करेगी। इस दौरान राहुल पैदल और बस से 6 हजार 200 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करेंगे। यह मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, प. बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उप्र, मप्र, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में समाप्त होगी।

पहले सीटों का बंटवारा हो तो ही यात्रा में शामिल होंगे अखिलेश

नई दिल्ली। अखिलेश यादव शनिवार को बलिया में थे और बलिया में जिन सवालों के उन्होंने जवाब दिए उन सवालों से उप्र की सियासत में भूचाल आना तय है। इस दौरान जब अखिलेश से पूछा गया कि क्या वह उप्र में राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल होंगे तो उन्होंने दो टूक जवाब दिया कि अगर इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारा हो जाएगा तो यात्रा में भी शामिल हो जाएंगे। बता दें कि, अखिलेश यादव से जब पत्रकारों ने पूछा कि जिस तरह से राहुल गांधी यहां न्याय यात्रा लेकर आ रहे हैं।

भूटान में सतत कब्जा बढ़ा रहा चीन

गुवाहाटी। चीन तेजी से भूटान के उत्तरी इलाकों के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर रहा है। सैटेलाइट इमेज से इसका खुलासा हुआ है। तस्वीरें ऐसे समय सामने आई हैं जब चीन और भूटान सीमा विवाद सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। नई तस्वीरें बेयुल खेनपाजोंग इलाके की हैं। यह इलाका शाही परिवार से जुड़ा है। अमेरिका की मैक्सार टेक्नोलॉजी ने जो सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं उनमें बेयुल खेनपाजोंग में पिछले 3 सालों में हुए चीनी कंस्ट्रक्शन को दिखाया गया है। चीन ने यहां शाही परिवार से जुड़ी जमीनों पर इमारतें और सड़कें तैयार की हैं। लंदन यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएस) में तिब्बती इतिहास के एक्सपर्ट प्रोफेसर रॉबर्ट बार्नेट का कहना है कि चीन की तरफ से हो रही ये गतिविधियां उसकी महत्वा कांक्षाओं को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा- भूटान के लिए बेयुल खेनपाजोंग सांस्कृतिक महत्व रखता है, यह जानते हुए भी चीन कंस्ट्रक्शन कर रहा है। वो जानता है कि भूटान इस हरकत का जवाब नहीं दे सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि शाही परिवार के पुरखों की धरोहर पहाड़ी इलाके तक फैली है। इन्हीं पर चीन कब्जा कर रहा है। इसके बावजूद भूटान सरकार यहां चीन के कब्जे को रोकने में नाकाम रही है।

ताइवान ने 13 चीनी सैन्य विमानों, पांच जहाजों, दो गुब्बारों को खोजा

ताइपे। ताइवान के सशस्त्र बलों ने पिछले दिन द्वीप राष्ट्र के पास 13 चीनी सैन्य विमानों, पांच जहाजों और दो गुब्बारों का पता लगाया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि देश के आसपास 13 पीएलए विमान और पांच जहाजों का शनिवार सुबह 06:00 बजे तक पता चला।

खोजे गए विमानों में से एक ने ताइवान के दक्षिण पश्चिम एडिज में प्रवेश किया था। इसके अलावा शुक्रवार दो गुब्बारों का पता लगाया गया जो ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को क्रमशः 33 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम और सिंचु से 51 मील पश्चिम में पार करने के बाद देखा गया। ताइवानी सैनिकों ने स्थिति पर नजर रखी है और द्वीप के पास चीन की गतिविधियों का जवाब देने के लिए विमान, नौसेना व भूमि-आधारित इकाइयों को चौकस रहने का आदेश दिया है। गुब्बारों की ऊंचाई क्रमशः 17,000 व 24,000 फीट थी।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए: चौधरी

कोलकाता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में विस्फोटक बात कही। उन्होंने कहा कि जजों को धमकाया जा रहा है, जजों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कठोर टिप्पणियां की जा रही हैं। जजों को डराया जा रहा है और पोस्टर लगा जा रहे हैं। ईडी पर हमला हो रहा है, भविष्य में कहीं जजों पर भी हमला न होने लगे। वहीं बांग्लादेश की सीमा से सटे उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में ईडी, केंद्रीय बल और मीडिया कर्मियों पर हुए हमले की भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर एनआईए जांच की मांग की है।

माकपा नेता व राज्यसभा सदस्य विकासरंजन भट्टाचार्य ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि इन सब के पीछे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रेरणा है। ममता ने सार्वजनिक सभा में अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि अगर मेरे घर पर सीबीआई आएगी तो, आप खड़े रहोगे! उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में, जब सीबीआई या ईडी जांच करने आती है, तो उनका घेराव करना, समूहों में घेरना तृणमूल का एक सुनियोजित निर्णय है। मुझे लगता है कि तमाम करतूतों से बचने की कोशिश में ममता ने ऐसा आत्मघाती फैसला लिया है। शायद वह राष्ट्रपति शासन चाहती हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले-10 सालों में देश में बहुत बदलाव आए

बेंगलुरु। विदेश मंत्री एस जयशंकर शनिवार (6 जनवरी) को केरल में तिरुवनंतपुरम पहुंचे। यहां पर उन्होंने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

विदेश मंत्री ने कहा है कि पीएम मोदी की गारंटी ऐसी चीज है, जिस पर ना सिर्फ देश में बल्कि दुनिया में विश्वास किया जाता है। बीते 10 सालों में देश में बहुत बदलाव आए हैं। मैं जब विदेश दौरों पर होता हूं तो लोग भारत में आए बदलावों पर बात करना चाहते हैं। पीएम की गारंटी का मतलब गुड गवर्नेंस, लोगों पर केंद्रित नीतियां है। 5 जनवरी को विदेश मंत्री बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

धारा 370: हमने असुरक्षा के सारे रास्ते बंद किए

वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को बेंगलुरु में कहा था कि अयोध्या के रामलला मंदिर के उद्घाटन पर दुनिया की नजर है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 रद्द करके हमने असुरक्षा के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं। कार्यक्र में उन्होंने अपनी किताब 'वाय इंडिया मेटर्स' पर भी चर्चा की थी। विदेश मंत्री बोले- दुनियाभर में भारत की छाप है। लोगों को उन जगहों पर जरूर जाना चाहिए है, जहां भारतीय सांस्कृतिक ऐतिहासिक रूप से बहुत मजबूत है।

पब्लिश होने से पहले सेना के पास गई जनरल नरवणे की किताब

नई दिल्ली/पुणे। भारतीय सेना पूर्व प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने एक संस्मरण लिखा है, जिसकी समीक्षा सेना कर रही है। अंग्रेज़ी अख़बार द इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के अनुसार, इस संस्मरण में पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के पास रेचिन ला में चीनी सेना के टैंकों की आवाजाही को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 31 अगस्त 2020 को हुई चर्चा के बारे में बताया गया है। चीन और भारत के बीच सीमा पर तनाव के बारे में और अधिक जानकारी के साथ जनरल नरवणे का संस्मरण ऐसे वक्त आया है।

सीजेआई के सामने रख दी व्हिस्की की बोतलें

नई दिल्ली। व्हिस्की ब्रांड के ट्रेडमार्क के कथित उल्लंघन पर जारी कानूनी लड़ाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में उस समय एक असामान्य नजारा देखने को मिला, जब कोर्ट के सामने शराब की बोतलें रखी गई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मप्र हाईकोर्ट के नवंबर 2023 के फैसले के खिलाफ शराब निर्माता कंपनी पेरनोड रिकर्ड इंडिया प्रा. लि. की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पेरनोड रिकर्ड ने इंदौर की एक कोर्ट की ओर से पारित उस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का द्वारा खटखटाया था, जिसने कथित ट्रेडमार्क उल्लंघन केस में अन्य कंपनी के खिलाफ अस्थायी रोक जारी करने के आवेदन को खारिज कर दिया था। कंपनी ने एक अन्य कंपनी पर ट्रेडमार्क के उपयोग का आरोप लगाया था। पेरनोड रिकर्ड ने आरोप लगाया है कि जेके एंटरप्राइजेज ने उनके ट्रेडमार्क की नकल की है और ट्रेडमार्क लंदन प्राइड के तहत अपनी व्हिस्की का निर्माण व बिक्री कर रही है।

ट्रेडमार्क उल्लंघन का मामला

लारेंस गिरोह के गुर्गो की संपत्तियां हुई कुर्क

नई दिल्ली। देश में आतंकवादी-गैंगस्टर-ड्रग तस्कर गठजोड़ को ध्वस्त करने की दिशा में एनआईए ने एक और बड़ा कदम उठाया है। इस केंद्रीय जांच एजेंसी ने खूंखार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंगस्टर-आतंकी सिंडिकेट के चार सदस्यों की संपत्ति को जब्त कर लिया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत हरियाणा, पंजाब और उप्र में एनआईए टीमों ने छापे मारकर इन संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई संपत्तियों में तीन अचल और एक चल संपत्ति है। एनआईए ने पाया कि ये सभी संपत्तियां 'आतंकवाद की कमाई' हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी साजिश रचने और गंभीर अपराधों को अंजाम देने के लिए किया जाता है। कुर्क की गई संपत्तियों में एक संपत्ति गोमती नगर एक्सटेंशन, लखनऊ की है।

4500 करोड़ का विशेष आर्थिक पैकेज जारी किया: सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू नेकहा है कि प्राकृतिक आपदा के दौरान राज्य सरकार ने दृढ़ता से चुनौतियों का सामना किया और नियमों को परिवर्तित कर 4500 करोड़ रुपए का विशेष आर्थिक पैकेज जारी किया। श्री सुक्खू ने बरसात के दौरान आई आपदा से जिला सिरमौर के 1388 प्रभावित परिवारों के 'पुनर्वास' के लिए 9.88 करोड़ रुपए की प्रथम किस्त शनिवार को नाहन में वितरित की। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त 66 घरों के लिए 3-3 लाख रुपए की राशि के रूप में 1.98 करोड़ रुपए की पहली किस्त, 718 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 6.37 करोड़, 292 गौशालाओं को नुकसान पर 1.15 करोड़ रुपए दिये गए।

Filmi तड़का

12 साल छोटी गर्लफ्रेंड के प्यार में डूबे ऋतिक, नहीं हटा पाए नजर

मुंबई। बॉलीवुड के लव बर्ड्स ऋतिक रोशन और सबा आजाद अक्सर एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। दोनों की केमिस्ट्री शानदार है। अब ऋतिक रोशन को एक बार फिर लेडी लव सबा आजाद संग एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। दोनों एक दूजे के प्यार में डूबे दिखे। एयरपोर्ट पर ऋतिक और उनकी गर्लफ्रेंड एक-दूसरे की आंखों में डूबे दिखे। दोनों को प्यार और बांन्ड फैंस को कपल गोल्स दे रहा है। ऑल ब्लैक लूक में ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद काफी चार्मिंग लगीं। ओपन हेयर, ग्लोंइंज न्यूड मेकअप में सबा का लुक देखने लायक है। वहीं, ऋतिक रोशन के कूल लुक पर फैंस फिदा हो रहें हैं। जींस टी=शर्ट में ऋतिक ने सनग्लासेस कैरी किए। ग्रे स्वेट शर्ट को उन्होंने अपने शोल्डर पर कैरी किया। ऋतिक इस लुक में काफी कूल डूड लगे। ऋतिक और सबा को एक-दूसरे के प्यार में डूबा देखकर फैंस उनपर अपना दिल हार रहे हैं और उन्हें परफेक्ट कपल बता रहे हैं। तो कोई उन्हे क्यूट कह रहा है।

जाह्नवी कपूर के बॉयफ्रेंड के साथ सारा तेंदुलकर ने की पार्टी, वीडियो वायरल

मुंबई। सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। सारा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अपने अफेयर की अफवाहों के चलते भी वो सुर्खियों में छाई रहती हैं। सारा बॉलीवुड सितारों के साथ भी अक्सर देखी जाती हैं। उन्हें बॉलीवुड की कई पार्टीज में भी स्पॉट किया जाता है। सारा तेंदुलकर अपनी खूबसूरती से लोगों का दिल जीतती नजर आती हैं। हाल में भी सारा को एक पार्टी में स्पॉट किया गया। सारा का वीडियो पार्टी से बाहर आते हुए सामने आया है। इस वीडियो में सारा तेंदुलकर काफी ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं।

शिखर पहाड़िया के साथ दिखीं सारा: सामने आए वीडियो में सारा तेंदुलकर पार्टी से बाहर आती नजर आ रही हैं। उन्होंने शिमरी ब्लैक कलर की राइम स्टोन वाली ड्रेस कैरी की है। इसके साथ ही उन्होंने मिनमिल मेकअप लुक रखा है। सारा पैपराजी को पोज देती हैं और फिर गाड़ी में जाकर अपने दोस्तों के साथ बैठ जाती हैं।

निम्न ब्याज दरों का दौर अब खत्म हो चुका है और बैंकों व डाकघरों में विभिन्न जमा योजनाओं पर ब्याज दरें बढ़ा दी गई हैं। लेकिन डाकघरों की कई जमा योजनाएं ऐसी भी हैं जिन पर बैंकों की फिक्स्ड डिपाजिट स्कीम से ज्यादा ब्याज मिल रहा है। आइए यह जानने की कोशिश करते हैं कि बैंकों और डाकघरों की जमा योजनाओं की ब्याज दरें क्या हैं, इनमें आपस में क्या अंतर है और इनमें निवेश के कौन से फायदे और नुकसान हैं

बैंक एफडी ज्यादा आकर्षक या डाकघर की जमा योजनाएं

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

कोरोना काल में जब निम्न ब्याज दरों का दौर था तो बैंकों के फिक्स्ड डिपाजिट पर ब्याज की दरें काफी कम थीं। पांच साल की बैंक एफडी पर उस वक्त 5.50 से छह फीसद तक ही ब्याज मिल पाता था। कोरोना के बाद विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में मांग में जब तेजी आई तो सभी जरूरी चीजों की कीमतों में भी इजाफा होने लगा। इससे मुद्रास्फीति यानी महंगाई की दर भी बढ़ने लगी। यहां तक कि खानपान की वस्तुओं जैसे टमाटर और प्याज की कीमतें भी आसमान पर जा पहुंचीं। इसे देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में वृद्धि करनी शुरू की। नीतिगत दरें यानी रेपो दरें बढ़ने से जहां बैंकों में कर्ज महंगा होने लगा, वहीं जमा पर ब्याज दरों में इजाफा भी हुआ। जिससे बैंकों की फिक्स्ड डिपाजिट योजनाएं जो कोरोना काल में बिलकुल बंद सी हो गई थीं एक बार फिर आकर्षक हो गईं। मौजूदा समय में बैंक एफडी पर एक बार फिर खासा ब्याज मिलने लगा है। लेकिन डाकघर की कई ऐसी जमा योजनाएं हैं जिनकी ब्याज दर बैंकों की पांच साल की एफडी की तुलना में अब भी ज्यादा है। आइए देखते हैं कि बैंक एफडी और डाकघर की जमा योजनाओं में निवेश का अपना-अपना क्या नफा-नुकसान है, बैंकों की एफडी और डाकघरों की जमा योजनाओं की ब्याज दरों में क्या अंतर है, किन मामलों में बैंक एफडी में निवेश बेहतर है और कब डाकघर की जमा योजनाओं में निवेश पर अच्छा प्रतिफल मिलेगा।

बैंक एफडी पर कितना ब्याज

मौजूदा समय में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पांच साल की एफडी पर ब्याज की दर 6.25 से 6.70 फीसद के आसपास है। इसमें सबसे कम 6.25 फीसद की दर इंडियन बैंक की और सबसे ज्यादा 6.70 फीसद की ब्याज दर केनरा बैंक की पांच साल की एफडी की है। इसके अलावा पंजाब नेशनल बैंक लगभग साढ़े फीसद की ब्याज दर पांच साल की एफडी पर दे रहा है जबकि अगर हम निजी क्षेत्र के बैंकों की बात करें तो आईसीआईसीआई बैंक 6.90 फीसद और एक्सिस बैंक पांच साल की सावधि जमा योजनाओं पर 7.75 फीसद तक ब्याज दे रहा है। इस हिसाब से निजी क्षेत्र की बैंक एफडी अभी ज्यादा आकर्षक हैं। हालांकि बैंक अपना ग्राहक आधार बढ़ाने के लिए अक्सर ब्याज दरों में फेरबदल करते रहते हैं अतः इन दरों में कुछ अंतर हो सकता है।

डाकघर में पांच साल की जमा पर ब्याज

अगर हम बात करें डाकघरों की विभिन्न जमा योजनाओं की तो हम देखेंगे कि कई ऐसी जमा योजनाएं हैं जिन पर पांच साल की जमा पर बैंकों की एफडी से ज्यादा ब्याज मिल रहा है। उदाहरण के तौर पर डाकघर की मासिक जमा योजना पर पांच साल के लिए निवेश करने पर 7.4 फीसद की दर से ब्याज मिल रहा है जबकि डाकघर की टाइम डिपाजिट स्कीम पर भी 7.5 फीसद की दर से ब्याज मिल रहा है। इसके अलावा किसान विकास पत्र पर ढाई साल के लिए पैसा जमा करने पर ही साढ़े सात फीसद की ब्याज दर मिल रही है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर ब्याज की दर भी बैंक से ज्यादा है। इस समय पीपीएफ पर ब्याज दर 7.1 फीसद है। उधर डाकघर का नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट स्कीम खरीदने पर ब्याज की दर 7.7 फीसद है जबकि सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम पर ब्याज की दर 8.2 फीसद है।

बैंक व डाकघर की जमा पर नफा नुकसान

क्या सिर्फ ब्याज दरों के आधार पर ही बैंक और डाकघर की जमा योजनाओं की ब्याज दरों के आधार पर ही यह फैसला करना ठीक है कि कहां निवेश करना बेहतर होगा, बैंक या डाकघर में। इसके लिए कुछ अन्य बातों पर भी विचार करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर बैंकों की ज्यादातर सावधि जमा योजनाएं ऐसी हैं जिनमें परिपक्वता अवधि पूरी होने पर जो फायदा होता है उस पर अपने आयकर स्लैब के आधार पर आयकर अदा करना पड़ता है। हालांकि बैंकों के पास टैक्स सेविंग एफडी के नाम पर भी कुछ उत्पाद होते हैं लेकिन उनकी ब्याज दर इससे भी कम होती है। दूसरी तरफ डाकघर की कुछ जमा योजनाओं में परिपक्वता अवधि के बाद मिलने वाली रकम पर आयकर से छूट है जबकि कुछ योजनाओं में यह छूट नहीं मिलती है। अगर आम आदमी की बात की जाए तो डाकघरों तक आम आदमी की पहुंच होती है जबकि देश में अब कई ऐसे स्थान हैं जहां किसी एक बैंक की शाखा होती है इसलिये निवेशक के पास किसी अन्य बैंक में एफडी कराने का विकल्प ही नहीं होता।

सीनियर सिटीजन को फायदा

अगर हम सीनियर सिटीजन की बात करें तो हम पाएंगे कि बैंक हो या डाकघर सभी ने सीनियर सिटीजन के लिए आधा से पौना फीसद तक अतिरिक्त ब्याज दरों की व्यवस्था कर रखी है। इसलिये अगर आप अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहते हैं और उनके नाम से निवेश करते हैं तो आपको काफी ज्यादा ब्याज मिल जाएगा। आप बैंक एफडी में निवेश करें या डाकघर की जमा योजनाओं में, निवेश के वक्त भरे जाने वाले फार्म में नामिनी का नाम अवश्य डलवाएं क्योंकि सरकार अब सभी तरह की निवेश योजनाओं के लिए नामिनी का नाम डलवाने पर जोर दे रही है।

बैंकों की पांच साल की एफडी की ब्याज दरें

बैंक का नाम	ब्याज दर	निवेश अवधि
भारतीय स्टेट बैंक	6.50%	05 वर्ष
पंजाब नेशनल बैंक	6.50%	05 वर्ष
केनरा बैंक	6.70%	05 वर्ष
इंडियन बैंक	6.25%	05 वर्ष
आईसीआईसीआई बैंक	6.90%	05 वर्ष
एक्सिस बैंक	7.75%	05 वर्ष

स्रोत : बैंक बाजार डाट काम

डाकघर जमा योजनाओं की ब्याज दरें

योजना का नाम	ब्याज दर	निवेश अवधि
डाकघर मासिक जमा योजना	7.4%	05 वर्ष
डाकघर सावधि जमा योजना	7.5%	05 वर्ष
किसान विकास पत्र योजना	7.5%	30 माह
पब्लिक प्रोविडेंट फंड स्कीम	7.1%	15 वर्ष
नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट	7.7%	05 वर्ष
सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम	8.2%	05 वर्ष

कितने साल में डबल होगा पैसा

अगर आप बैंक में एफडी करते हैं और आपकी योजना अपना पैसा डबल करने की है तो आपको यह जरूर पता होना चाहिए कि आपका निवेश डबल कितनी अवधि में हो जाएगा। इसके लिए आप रूल 72 का इस्तेमाल कर सकते हैं। रूल 72 के तहत निवेश पर मिलने वाले ब्याज की दर से 72 को भाग देना होगा। इसका जो जवाब आएगा उससे यह पता चल जाएगा कि आपका पैसा कितने साल में दोगुना हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर अगर किसी जमा योजना पर ब्याज की दर 8 फीसद है तो 72 को 8 से भाग देने पर उत्तर में 9 आएगा। इससे यह पता चलता है कि अगर आपकी जमा पर आठ फीसद ब्याज मिल रहा है तो आपका पैसा नौ साल में दोगुना हो जाएगा। ■

प्रदीप मिश्रा
एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

रियल एस्टेट में बरकरार रह सकता है तेजी का ट्रेंड

रियल एस्टेट सेक्टर के लिए साल 2021 और 2022 के मुकाबले बीता साल बेहतर रहा। खास बात यह भी रही कि बाजार में मौजूद इन्वेंट्री यानी तैयार घरों अथवा पूरी होने के करीब पहुंची परियोजनाओं की संपत्तियों को न सिर्फ इन्वेस्टर्स बल्कि एंड यूजर्स ने भी हाथों-हाथ लिया। बाजार में मांग बढ़ने से देश के विभिन्न शहरों में संपत्तियों के दामों में औसतन 15 से 28 फीसद तक का उछाल देखने को भी मिला। अब साल 2024 से भी रियल्टी सेक्टर की उम्मीदें बीते साल की तरह रहने की उम्मीद है। एक तरफ तो मांग में वृद्धि हो रही है तो दूसरी तरफ महंगाई के दबाव के चलते रिजर्व बैंक ब्याज दरों में इजाफा भी कर रहा है। ऐसी स्थिति में होम लोन महंगा हो सकता है। अतः अगर आप घर खरीदने का ख्वाब देख रहे हैं तो देर ना करें क्यों देर करने से संपत्ति के दाम बढ़ सकते हैं साथ ही होम लोन भी महंगा हो सकता है।

होम लोन अच्छा विकल्प

इसमें कोई दो राय नहीं कि बीते दो दशकों से एक बड़े वर्ग ने होम लोन की सुविधा का लाभ उठाते हुए अपने घर का सपना साकार किया है। आसान शर्तों पर मिलने वाले लोन की ही वजह से दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के आसपास के शहरों के साथ ही दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में होने वाले निवेश का बढ़ावा मिला। साल 2023 के दौरान होम लोन की ब्याज दरों में किसी तरह का बड़ा फेरबदल देखने को नहीं मिला। लेकिन अगर महंगाई का दबाव बढ़ा तो रिजर्व बैंक ब्याज दरें बढ़ाने में गुरेज नहीं करेगा।

घट भी सकती हैं ब्याज दरें

मेरा मानना है कि इस साल होम लोन की ब्याज दरों में कुछ कमी भी देखी जा सकेगी। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि अभी इसी सप्ताह बैंक आफ महाराष्ट्र ने ब्याज दरों में 15 बेसिस अंकों की कटौती की है। जिससे अब यह बैंक साल के पहले हफ्ते से ही 8.5 प्रतिशत के बजाय 8.35 फीसद की ब्याज दर पर होम लोन की सुविधा उपलब्ध कराएगा। यही नहीं बैंक ने होम लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए प्रोसेसिंग शुल्क भी माफ कर दिया है। बैंकों की तरफ से किसी भी तरह के लोन के लिए की जाने वाली कागजी कार्रवाई साथ ही संपत्ति की जांच परख करने, मसलन उसकी कीमत, पूर्व के मालिकाना हक वगैरह का पता करने पर होने वाले खर्च के लिए प्रोसेसिंग शुल्क लिया जाता है। वैसे त्योहारी सीजन जैसे नवरात्र से दीपावली और फिर नए साल तक के समय तक आम तौर पर बैंक यह शुल्क माफ कर देते है। वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र की तरफ से घटाई गई इन मामूली ब्याज दरों को दूसरे बैंक भी देखेंगे और वह भी ऐसा करने पर विचार करेंगे क्योंकि जब कोई एक बैंक दरों में फेरबदल करता है तो दूसरे बैंक भी उस ट्रेंड का फालो करना शुरू कर देते है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इसका लाभ होम लोन का सपना देखने वाले ग्राहकों का ही मिलेगा।

निवेश के तौर पर संपत्ति की खरीद

इसमें कोई संदेह नहीं कि मौजूदा केंद्र सरकार ने पिछले कई वर्षों से इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर काफी बल दिया है। इस कड़ी में न दैनिक तौर पर रिकार्ड रूप में सड़कों का निर्माण हुआ तो वहीं अब छोटे शहर हवाई मार्ग से भी जुड़ रहे है। इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचे का विकास रियल्टी सेक्टर के निवेश को प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करता है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे ने जहां पुणे की संपत्तियों की मांग में इजाफा करवाया तो वही आगरा व यमुना एक्सप्रेस वे ने नोएडा के साथ ही ग्रेटर नोएडा को निवेश के लाजवाब विकल्प के तौर पर प्रस्तुत किया। मौजूदा समय में दिल्ली और गुडगांव को जोड़ने वाले द्वारका एक्सप्रेस वे के ईर्द-गिर्द के क्षेत्रों में निवेश के अनेक विकल्प तलाशे जा सकते है। इस तरह सहारनपुर एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों में संपत्तियों की मांग में इजाफा दिखा है। कहने का जमा-जोड़ यह है कि अगर आप भी रियल्टी सेक्टर को निवेश के विकल्प के तौर पर देख रहे है तो आप भी ऐसी किसी लोकेशन को पसंद कर सकते है जहां सड़क, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बिजनेस हब, फ्रेट कॉरिडोर, एम्यूजमेंट पार्क जैसी परियोजनाएं बन रही हों या फिर उनको प्रस्तावित किया गया हो क्योंकि इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी ऐसी परियोजनाएं भविष्य में चलकर उस क्षेत्र में मौजूद संपत्तियों की मांग के साथ कीमतों पर भी सीधा असर डालती है। ऐसे में किसी भी तरह की संपत्ति के निवेश में इस फैक्टर का नजरअंदाज न करें।

भारतीय अर्थव्यवस्था की गूंज

मौजूदा समय में भारतीय अर्थव्यवस्था, दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। साथ ही बीते नौ वर्षों के आकंड़ों को देखें तो इस दौरान भारत ने पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलने में कामयाबी भी हासिल की है। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है। कि साल साल 2025 तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी बीते साल ही दुनिया भर के चर्चित नेताओं ने कहा था कि आज भारत उस मुकाम पर है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चय ही ऐसे कथनों से देश में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का बढ़ावा मिलता है। विदेशी निवेश के लिए रियल्टी सेक्टर खुला हुआ है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस साल बड़े स्तर पर इस सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आ सकता है। विदेशी निवेश के आने से बड़े स्तर की आवासीय और व्यावसायिक इस्तेमाल की परियोजनाओं के निर्माण का बढ़ावा मिलेगा। ऐसा होने से निवेशकों के पास भी निवेश के अतिरिक्त विकल्प देखे जा सकेंगे।

मास्टर प्लान पर रखें नजर

दिल्ली/एनसीआर की बढ़ती आबादी के लिए मकान मुहैया कराने के साथ ही आगामी 20 वर्षों के दौरान राजधानी में किस तरह के यातायात की जरूरत होगी, इसी तरह अस्पताल, स्कूल-कॉलेज कितनी संख्या में बनाए जाएं, सामुदायिक सुविधाओं का खाका कैसे खींचा जाए, पूर्व निर्मित रिहाइशी कालोनियों का पुनर्विकास किस तरह किया जाए इन सबकी दीर्घकालिक योजना दिल्ली के मास्टरप्लान 2021-2040 के जरिए तैयार की जा चुकी है। हालांकि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए दिल्ली के इस मास्टर प्लान को पिछले साल ही नोटिफाई किया जाना था लेकिन कुछ कारणों से वह संभव नहीं हो सका। ऐसे में उम्मीद है कि इस साल दिल्ली के आगामी मास्टर प्लान को जमीनी धरातल पर उतार दिया जाएगा। मास्टर प्लान के आते ही दिल्ली में विकास के लिए चिह्नित नई संभावनाएं बनेंगी। इसके साथ ही यह उम्मीद भी की जा रही है कि मास्टर प्लान के साथ ही लैंड पूलिंग पालिसी को भी लागू कर दिया जाएगा जिसके मूर्त रूप लेने पर दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में हजारों की संख्या में मकानों की सप्लाई जा पाएगी। वैसे बता दूं कि लैंड पूलिंग पालिसी के जरिए ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों के साथ ही निजी क्षेत्र के बिल्डरों की परियोजनाएं भी निश्चित तौर पर आएंगी। कह सकते है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली में न सिर्फ डीडीए बल्कि बिल्डरों द्वारा विकसित मकानों के विकल्प भी मिलेंगे।

वेडिंग लोन से रचाएं बेटी का ब्याह

जनवरी मध्य से शादी-ब्याह का सीजन एक बार फिर शुरू होने वाला है। शादी-ब्याह में खर्च होने वाली रकम की कोई सीमा नहीं होती। कोई पांच लाख रुपये में बेटी का ब्याह कर लेता है तो कोई एक करोड़ रुपये में या इससे भी ज्यादा में। अगर निम्न मध्यम आयवर्ग का व्यक्ति अपने बेटे बेटी की शादी सामान्य तरीके से भी करे तो भी आठ से दस लाख रुपये का खर्च आ ही जाता है। और इतनी रकम खर्च करना हर किसी के बस में नहीं होता। इसीलिये बैंकों ने वेडिंग लोन स्कीम शुरू की है जिसके तहत कोई भी व्यक्ति बैंक की शर्तें पूरी करके बेटे-बेटी की शादी के लिए यह लोन हासिल कर सकता है

मौजूदा दौर में वैवाहिक आयोजन काफी महंगे हो गए हैं। इसकी वजह यह है कि लोग समाज में अपना स्टेटस मेनटेन रखने के लिए शादी ब्याह पर खासी रकम खर्च करने लगे हैं। इसके अलावा शादी-ब्याह में तरह-तरह की नई रस्में और नए तरीके जुड़ गए हैं जिसपर खासी रकम खर्च हो जाती है। आज कल अगर कोई व्यक्ति अपनी बेटी की शादी करता है तो कम से कम दस लाख रुपये का खर्च आ जाता है लेकिन अधिकतम की तो कोई सीमा ही नहीं है। महंगाई के इस दौर में अगर आप अपनी बेटी का ब्याह करना चाहते हैं लेकिन आपके पास पर्याप्त रकम नहीं है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। आपको जितने पैसे कम पड़ रहे हों उनका इंतजाम आप बैंक से वेडिंग लोन के जरिए कर सकते हैं।

वेडिंग लोन क्या है

वेडिंग लोन एक तरह का पर्सनल लोन ही होता है। अगर किसी को बेटी या बेटे की शादी में कुछ रकम कम पड़ रही है तो वह बैंक से वेडिंग लोन लेकर शादी का आयोजन निपटा सकता है। वेडिंग लोन में ज्यादा कवायद नहीं करना पड़ती। बैंक द्वारा बताए गए दस्तावेज उपलब्ध कराने पर बैंक 24 घंटे में भी इस तरह के लोन को मंजूरी प्रदान कर देते हैं। लेकिन लोन देते वक्त बैंक यह जरूर देखते हैं कि लोन की वापसी आप किस तरह करेंगे।

कितना मिल सकता है लोन

वेडिंग लोन में कितनी धनराशि मिल सकती है इसे लेकर हर बैंक के अपने अलग नियम हो सकते हैं। लेकिन सामान्य तौर पर बैंक 10 से 20 लाख रुपये तक की रकम को अपनी मंजूरी प्रदान कर देते हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र के कुछ बैंकों को अगर लगता है कि जो व्यक्ति वेडिंग लोन लेना चाहता है वह उसकी रकम आसानी से वापस कर देगा तो बैंक 50 लाख रुपये या एक करोड़ रुपये तक का लोन भी दे देते हैं।

कितनी होती है ब्याज दर

वेडिंग लोन चूंकि पर्सनल लोन या टर्म लोन की श्रेणी में रखा जाता है इसलिए इसकी ब्याज दर कुछ ज्यादा हो सकती है। अगर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक की बात करें तो वह 11.50 फीसद पर भी लोन दे देता है या इसकी ब्याज दर 13 या 15 फीसद भी हो सकती है। इसी तरह निजी क्षेत्र के बैंकों की ब्याज दरें कुछ ज्यादा हो सकती हैं लेकिन निजी क्षेत्र के बैंक कर्ज की रकम भी ज्यादा दे देते हैं। ब्याज दर को लेकर बैंक से स्पष्ट रूप से बात करनी चाहिए क्योंकि कई गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां इस तरह के लोन पर काफी ज्यादा ब्याज वसूलती हैं। यह ब्याज मासिक अथवा दैनिक आधार पर भी हो सकता है। यहां तक कि ब्याज दर 35 फीसद से भी ज्यादा हो सकती है। ध्यान देने योग्य एक बात और है वह यह कि वेडिंग लोन सिर्फ फिक्स्ड ब्याज दरों पर मिलता है। इसमें फ्लोटिंग दरों की कोई गुंजाइश नहीं होती।

लोन की अवधि व प्रोसेसिंग फीस

वेडिंग लोन चूंकि पर्सनल लोन की श्रेणी में होता है अतः इसकी अवधि भी पांच से छह वर्ष हो सकती है। आमतौर पर पर्सनल लोन का टेन्योर भी इतना ही होता। अगर कोई व्यक्ति ज्यादा अवधि में लोन चुकाना चाहता है तो उसको बैंक प्रबंधन से इसका आग्रह करना होगा अगर एक दो साल बढ़ाने की बात होती है तो आमतौर पर निजी क्षेत्र के बैंक इसके लिए मान जाते हैं। रही बात प्रोसेसिंग फीस की तो ज्यादातर बैंक वेडिंग सीजन में वेडिंग लोन की प्रोसेसिंग फीस नहीं वसूलते। ऐसा वे प्रतिस्पर्धा के चलते करते हैं। हालांकि जो बैंक प्रोसेसिंग फीस लेते हैं उसकी दर भी फिक्स होती है और काफी कम होती है। उदाहरण के तौर पर कुछ बैंक प्रोसेसिंग फीस के नाम पर दो हजार रुपये लेते हैं तो कुछ तीन हजार या 3500 रुपये लेते हैं।

किसे मिलेगा लोन

वेडिंग लोन नौकरीपेशा या कारोबारी सभी को मिल सकता है। लेकिन नौकरीपेशा वर्ग के लिए इस तरह का लोन लेना आसान होता है। अगर कर्मचारी का वेतन न्यूनतम 15 हजार रुपये महीना है तो उसे वेडिंग लोन मिल सकता है। इसी तरह ज्यादा वेतन या ज्यादा आय वालों को वेडिंग लोन के रूप में ज्यादा रकम मिल सकती है। अगर किसी बैंक में सैलरी अकाउंट है तो वहां पर ब्याज दर में कुछ छूट भी मिल सकती है। इसके अलावा केंद्र, राज्य व निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को यह लोन आसानी से मिल जाता है। पेंशनर भी अपनी पेंशन के आधार पर लोन ले सकते हैं।

नियम व शर्तें

वेडिंग लोन हासिल करने के लिए आपको अपना केवाईसी, फोटो, सैलरी स्लिप या आयकर जमा करने का कोई प्रूफ और स्टांप पेपर देना होगा। इसके अलावा लोन लेने वाले व्यक्ति का सिबिल स्कोर कम से कम 750 अंक होना भी जरूरी है। हालांकि यह बैंक के विवेक पर निर्भर करता है कि वह 700 अंक वाले व्यक्ति को भी यह लोन दे सकता है। इस तरह के लोन में कोई दस्तावेजी गारंटी भी नहीं मांगी जाती अलबत्ता आपके परिचित दो लोग आपके गारंटर के रूप में बैंक के साथ होने वाले लोन एग्रीमेंट पर दस्तखत करेंगे। इन्हें गारंटर कहा जाता है।

प्रीपेमेंट चार्ज

कोई व्यक्ति लोन की रकम का कुछ हिस्सा या लोन की पूरी रकम समय से पहले देना चाहता है तो बैंक उससे दो से तीन फीसद की फीस वसूलते हैं। कुछ मामलों में बैंक प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लेते हैं।

ब्राजील के महान फुटबॉलर मारियो जागालो का निधन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ब्राजील के लिए एक खिलाड़ी के रूप में दो तथा कोच और सहायक कोच के रूप में एक-एक विश्वकप खिताब जीतने वाले 92 वर्षीय फुटबॉलर मारियो जागालो का निधन हो शनिवार को हो गया है। जागालो पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने एक खिलाड़ी और कोच के रूप में विश्वकप जीता था। वह ब्राजील के कई समर्थकों के लिए देशभक्ति और

गौरव का प्रतीक थे। ब्राजील ने 1958 और 1962 में जब विश्वकप खिताब जीते थे तब जागालो उसके स्ट्राइकर थे। इसके बाद 1970 में जब ब्राजील ने फाइनल में इटली को 4-1 से हराकर अपना तीसरा विश्वकप खिताब जीता था तब जागालो उसके कोच थे। जागालो 1994 के विश्वकप में ब्राजील की टीम के सहायक कोच थे। ब्राजील ने तब फाइनल में इटली को हराकर खिताब जीता था।

यूनाइटेड कप के फाइनल में पोलैंड-जर्मनी में होगी भिड़ंत

सिडनी,(एजेंसी)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और ह्यूबर्ट हर्काज के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने शनिवार को यहां फ्रांस को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना जर्मनी से होगा। जर्मनी ने मेजबान आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया।

अभिमन्यु ईश्वरन को मिली भारतीय-ए टीम की कमान

मुंबई,(एजेंसी)। बंगाल के अनुभवी खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ आगामी चार दिवसीय मैच के लिए शनिवार को 13 सदस्यीय भारत ए टीम का कप्तान चुना गया। इंग्लैंड लायंस की टीम भारत दौरे पर इस मैच से पहले दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी जो 12-13 जनवरी को अहमदाबाद में होगा। इसके बाद 17 से 20 जनवरी तक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चार दिवसीय मैच खेला जाएगा। **भारतीय- ए टीमः** अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, प्रदोष रंजन पॉल, केएस भरत (विकेटकीपर), मानव सुथार, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, तुषार देशपांडे, विद्वथ कावेरप्पा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) और आकाश दीप।

अर्जुन ने जयपुर को यू मुम्बा पर दिलाई जीत

मुंबई,(एजेंसी)। गत चैम्पियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने कप्तान अर्जुन देशवाल के सुपर 10 की बदौलत प्रो कबड्डी लीग के 10वें चरण के मैच में यू मुम्बा पर 41-31 से जीत दर्ज की। अर्जुन (17 रेड अंक) और अंकुश (छह टैकल अंक) ने जयपुर की टीम की जीत में अहम योगदान दिया। यू मुम्बा के लिए गुमान सिंह (13 रेड अंक) ने शानदार प्रदर्शन दिखाया। अर्जुन इस सत्र में 100 रेड अंक पूरे करने वाले पहले रेडर भी बने।

गोवा में 23 जनवरी से शुरू होगा मेगा टेटे कार्निवल

पणजी,(एजेंसी)। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी यूगो काल्डेरानो समेत कई दिग्गज खिलाड़ी गोवा में 23 से 28 जनवरी तक खेले जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। पेडेम इंडोर स्टेडियम में होने वाले ढाई लाख डालर इनामी राशि वाले मेगा टेबल टेनिस कार्निवल में ब्राजील के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता काल्डेरानो एकल मुख्य ड्रॉ में भाग लेने वाले शीर्ष 20 सितारों में से एक होंगे। देश की शीर्ष भारतीय पैडलर मनिका बत्रा,हरमीत देसाई और श्रीजा अकुला सीधे प्रवेश के साथ एकल मुख्य ड्रॉ में अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे।

जीत के साथ वॉर्नर की टेस्ट से विदाई

कंगारुओं ने अंतिम टेस्ट में पाक को 8 विकेट से रौंदकर 3-0 से किया सूपड़ा साफ

सिडनी,(एजेंसी)। डेविड वॉर्नर के शानदार अर्धशतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में पाकिस्तान को चौथे दिन आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में मेहमानों का 3-0 से सूपड़ा साफ किया।

लगातार छठी बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान एक भी मैच नहीं जीत पाई है। उसे पिछली जीत 1995 में मिली थी। इसी के साथ वॉर्नर ने टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान पहली पारी: 313/10, **ऑस्ट्रेलिया पहली पारी**: 299 /10

पाकिस्तान दूसरी पारी (68/7 से आगे)	रन	गेंद	4/6
मोहम्मद रिजवान कै. वॉर्नर बो. लियोन	28	57	1/0
आमेर जमाल कै. हेड बो. कमिंस	18	47	2/0
हसन अली बो. लियोन	05	09	0/0
मीर हमजा नाबाद	01	11	0/0

अतिरिक्तः 5, **कुलः** 43.1 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतनः** 1-0, 2-1 , 3-58, 4-60, 5-67, 6-67, 7-67, 8-109, 9-109, 10-115, **गेंदबाजीः** मिचेल स्टार्क 4-1-15-1, जॉश हेजलवुड 9-2-16-4, पैट कमिंस 7-0-24-1,नाथन लियोन 17.1-2-36-3, ट्रैविस हेड 6-1-19-1,

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
उस्मान ख्वाजा पगबाधा खान	00	06	0/0
डेविड वॉर्नर पगबाधा खान	57	75	7/0
मार्नस लाबुशेन नाबाद	62	73	9/0
स्टीव स्मिथ नाबाद	04	01	1/0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 25.5 ओवर में 2 विकेट पर 130 रन, **विकेट पतनः** 1-0, 2-119, **गेंदबाजीः** साजिद खान 11-1-49-2, मीर हमजा 2-0-9-0, हसन अली 4-0-15-0, आगा सलमान 5-0-28-0, आमेर जमाल 3.5-0-22-0.

सिडनी टेस्ट जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 130 रनों का लक्ष्य मिला था, इस स्कोर को मेजबानों ने डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन के अर्धशतक के दम पर हासिल किया। पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में काफी निराश किया।

सईम अयूब (33), मोहम्मद रिजवान (28), बाबर आजम (23) और आमिर जमाल (18) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाया। टीम के 6 बल्लेबाज सिंगल डिजिट पर आउट हुए, जिसमें 4 तो खाता भी नहीं खोल पाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस को सीरीज में सर्वाधिक 19 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

भावुक हुए वॉर्नर, परिवार को दिया सफल करियर का श्रेय

अपने अंतिम टेस्ट में भावुक हुए वॉर्नर ने कहा मैं अपने माता-पिता को एक अच्छी और खूबसूरत परवरिश देने का श्रेय देता हूं। मैं अपने भाई स्टीव के कदमों पर चल रहा हूं। जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा जिनके बिना मैं यह मुकाम हासिल नहीं कर सकता था।

पत्नी को दिया खास संदेशः वॉर्नर आगे बोले फिर कैंडिस मेरे जीवन में आईं। हमारा एक सुंदर परिवार है और मैं उनके साथ हर पल का मजा लेता हूं। मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं और अब मैं इस पर ज्यादा नहीं बोलूंगा क्योंकि भावुक हो जाऊंगा। कैंडिस ने जो किया है उसके लिए उन्हें धन्यवाद। आप मेरे लिए बहुत मायने रखती हैं।

युवा खिलाड़ी क्रिकेट में मेरे कदमों पर चलेंगेः इसके बाद वॉर्नर ने संन्यास पर बात करते हुए कहा कि यह बहुत भावुक होगा मैदान पर अपने साथी खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना और मैं वहां नहीं होऊंगा। इसके अलावा वॉर्नर ने कहा कि वे जब भी अपने करियर को याद करेंगे तो उत्सुकता, एंटरटेनमेंट और इस उम्मीद के साथ कि वह सबके चेहरों पर मुस्कान ला पाए होंगे इसके साथ करेंगे। मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ी यहां टेस्ट, वनडे और टी20 क्रिकेट में मेरे कदमों पर चलेंगे।

मैदान के अंदर पहुंचे फैंस

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने वॉर्नर के आखिरी टेस्ट को यादगार बनाने के लिए फैंस को मैदान के अंदर तक आने की इजाजत दे दी। मैच खत्म होने के बाद फैंस मैदान पर आए। फैंस को मैदान के अंदर आता देख आपको भी 80 के दशक की याद आ जाएगी।

फैन्स को दिए हेमलेट व ग्लव्स

वॉर्नर ने पवेलियन लौटते समय एक फैन को अपना हेमलेट और ग्लव्स गिफ्ट किया। जिसे लेकर वह स्टेडियम में दौड़ता हुआ नजर आया।

ऑस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी में टॉप पर

इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) की अंकतालिका में भारत को पछाड़कर शीर्ष पायदान पर पहुंच गया हैं। टीम इंडिया ने हाल ही में अफ्रीका को धूल चटाकर पहला स्थान हासिल किया था।

अब सिर्फ टी-20 में आएंगे नजर

वॉर्नर ने इस टेस्ट सीरीज के शुरू होने से पहले ही रेड बॉल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था, वहीं सिडनी टेस्ट से पहले उन्होंने वनडे क्रिकेट से भी रिटायरमेंट ली। वॉर्नर अब सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया है कि अगर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया को उनकी जरूरत पड़ती है तो वह वनडे फॉर्मेट में फिर से वापसी कर सकते हैं।

पाक टीम ने गिफ्ट की जर्सी

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने सभी खिलाड़ियों के साइन की हुई बाबर आजम की जर्सी वॉर्नर को गिफ्ट की। कप्तान शान मसूद ने इस तोहफे को देने के लिए डेविड वॉर्नर को स्टेज पर बुलाया तो ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी ने कहा माशाअल्लाह-इंशाअल्ला।

लीग मुकाबलों में भोपाल की टीमों का दबदबा

इंटर यूनिवर्सिटी हॉकीः आरएनटीयू और बीयू शान से सेमीफाइनल में

भोपाल, खेल संवाददाता। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (मेन्स) टूर्नामेंट में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय (आरएनटीयू), यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी और बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) ने ग्वालियर के लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन को 8-2 से हराते हुए लीग मैचेज के लिए क्वालीफाई किया। इस मैच में आरएनटीयू की ओर से श्रेयस और आकाश ने 2-2 गोल किए। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी (बीएएमयू) सम्भाजीनगर को 8-0 के अंतर से मात दी। बीयू की ओर से मनीष ने 3 गोल दागे। सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने संत घड़गे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी को 10-1 के अंतर से जीता।

यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा ने आईटीएम ग्वालियर को 2-1 से मात दी। इसमें यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा की ओर से सरजीत और संदीप ने 1-1 गोल किए। वहीं आईटीएम की ओर से युवराज ने 1 गोल किया।

एमएम जगदाले ट्रॉफी में भोपाल डिवीजन को 51 रनों की बढ़त

भोपाल,(खेसं)। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा मुरैना में आयोजित एमएम जगदाले ट्रॉफी अंडर-15 बॉयज के तीन दिवसीय मैच में चंबल डिविजन के 130 रनों के जवाब में भोपाल डिवीजन ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 97 ओवरों में 06 विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाकर 51 रनों की बढ़त प्राप्त कर ली है। भोपाल डिवीजन की ओर से अर्णव पुंढीर 49 रन और राजवर्धन दत्त शर्मा 9 रन बनाकर खेल रहे हैं। इसके अलावा कनिष्क गौतम ने 32 रन, पीयूष सिंह ने 29 रन, योगेश यादव ने 16 रन और अनय जैन ने 11 रनों का योगदान दिया। चंबल डिवीजन की ओर से यशवर्धन सिंह ने 04 विकेट प्राप्त किए।

टी-20 में अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुंबई,(एजेंसी)। पहले मैच में जीत के बाद उत्साह से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को शाम 7.00 बजे से होने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगीं।

वनडे सीरीज में तीनों मैच गंवाने के बाद भारतीय महिला टीम ने पहले टी-20 मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी जो इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने इस मैच में न सिर्फ क्षेत्ररक्षण में चुस्ती दिखाई बल्कि उसके गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। भारत के सामने 142 रन का लक्ष्य था जो उसने शेफाली वर्मा (नाबाद 64) और स्मृति मंधाना (54) के बीच पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी के दम पर आसानी से हासिल कर दिया। भारतीय गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। युवा गेंदबाज तितास साधु ने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिए। इनमें से तीन विकेट उन्होंने पावरप्ले में लिए थे।

घरेलू क्रिकेट में श्वेता सहरावत ने ठोका दोहरा शतक

महिला वनडे ट्रॉफीः दिल्ली ने बनाए 455 रन, नागालैंड 55 पर ऑलआउट

नई दिल्ली। घरेलू सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी में श्वेता सहरावत ने 242 रन की दोहरी शतकीय पारी खेली। इस पारी के दम पर दिल्ली ने 50 ओवर में 455 रन बना दिए।

इसके बाद टीम ने नागालैंड को 55 रन पर ऑलआउट कर 400 रन से मैच भी जीत लिया। श्वेता पिछले साल भारतीय महिला अंडर-19 टीम की उप कप्तान थीं। वे अंडर-19 वर्ल्डकप में टॉप रन स्कोरर भी रही थीं। दिल्ली की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम ने 21 रन पर प्रिया पूनिया का विकेट गंवा दिया। यहां से श्वेता ने प्रतिका रावल के साथ 233 रन की साझेदारी की। प्रतिका 101 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतिका के बाद श्वेता ने तनिषा सिंह के साथ 178 रन की साझेदारी की। तनिषा ने 38 बॉल पर 67 रन बनाए। 50वें ओवर में श्वेता भी 150 बॉल पर 242 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्होंने अपनी पारी में 31 चौके और 7 सिक्स लगाए। टीम ने 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 455 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। नागालैंड से 9 खिलाड़ियो ने गेंदबाजी की और महज 3 ने अपने 10 ओवर का स्पेल पूरा किया। विसुम्वी बासुमतरी सबसे सफल रहीं, उन्हें 10 ओवर में 3 विकेट मिले। हालांकि उनके खिलाफ 91 रन भी बने। सीनियर विमेंस वनडे टूर्नामेंट महिला क्रिकेटर्स का घरेलू लिस्ट-ए टूर्नामेंट है। इसमें 41 टीमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट 4 से 26 जनवरी तक चलेगा। 24 को सेमीफाइनल और 26 जनवरी को वडोदरा में फाइनल खेला जाएगा।

25 ओवर भी नहीं खेल सकी नागालैंड

456 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी नागालैंड विमेंस की टीम 25 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी। टीम 24.4 ओवर में 55 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। उसकी तरफ से रोहिनी माने ही 10 रन बना सकीं, बाकी 10 बैटर्स 8 रन का स्कोर भी नहीं छू सकीं। दिल्ली से पारुणिका सिसोदिया, हरेंद्र मधु और प्रिया मिश्रा ने 3-3 विकेट लिए।

अभिषेक व जेपकोरिर बने चेन्नई मैराथन के विजेता

चेन्नई,(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के अभिषेक सोनी ने शनिवार को फ्रेशवर्क्स चेन्नई मैराथन 2024 के 12वें चरण में पुरुषों की फुल मैराथन जीती जबकि महिला वर्ग में कीनिया की शेलाह जेपकोरिर ने खिताब जीता। अभिषेक सोनी ने दो घंटे 34. 11 के समय से पहला स्थान हासिल किया। डी शक्तिवेल (02:36:23) और विनोथ (02:38:44) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की फुल मैराथन में जेपकोरिर ने दो घंटे 59:58 के समय से शीर्ष पुरस्कार जीता। ब्रिगिड जेरोनो किमितिवाई (03:02:09) और बिजोया बर्मन (03:30:12) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

शुभोजीत रॉय स्नूकर ओपन के दूसरे दौर में

मुंबई,(एजेंसी)। शुभोजीत रॉय ने शनिवार कोयहां एनएससीआई बॉल्कलाइन 3.0 अखिल भारतीय स्नूकर ओपन के बेस्ट ऑफ सेवन फ्रेम के क्वालीफाइंग ड्रा के पहले दौर में परेश घटाड पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की। रॉय ने 44-7, 69-2, 50-12 और 72-27 फ्रेम से जीत हासिल की। अंजिक्य येल्वे ने अजीत घराट को 4-0 (59-16, 62-20, 76-4, 49-40) से पराजित किया। धवल हरिया भी अगले दौर में पहुंच गये। मुख्य ड्रा 13 जनवरी से शुरू होंगे।

अथर्व एनुअल फेस्टः टेबल टेनिस में मोइन व मुस्कान के जीता खिताब

भोपाल,(खेसं)। मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के तीनों आयुर्वेदिक कॉलेजों में चल रहे अथर्व एनुअल फेस्ट के छठवें दिन खिलाड़ियों का जोश देखते ही बना। इस दौरान मानसरोवर आयुर्वेदिक महाविद्यालय, श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदा और मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदा के खिलाड़ी इनडोर गेम्स में जीत के लिए डटकर खेले। शनिवार को इनडोर गेम्स में चेस, टेबल टेनिस, कैरम आदि मुकाबले हुए। टेबल टेनिस ब्वाय फाइनल मैच में अमन शर्मा और मोइन खान के बीच खेला गया जिसमें मोइन खान विजेता रहे। वहीं टेबल टेनिस गर्ल्स फाइनल में लवीशा पंजरे को शिकस्त देकर मुस्कान सोनी विजेता बनीं। चेस टूर्नामेंट गर्ल्स फाइनल मुकाबला अलिंदी खेड़े और दिव्या ढोके के बची खेला गया जिसमें अलिंदी खेड़े जीतीं। वहीं ब्वॉयज फाइनल मुकाबला अर्जुन फालके और अनिकेत सालंके के बीच खेला गया जिसमें अनिकेत सालंके ने जीत दर्ज कराई। खो-खो गर्ल्स के फाइनल मुकाबले में एमएएमसी बैच 21-22 और सियाराम बैच 21-22 के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली जिसमें एमएएमसी बैच 21-22 विजेता रही। वहीं खो-खो ब्वॉयज सेमिफाइनल में सियाराम 23-24 ने एमएएमसी 23-24 को हराया।

द्वीपों की गहराई में यदि खोना है तो फिलीपींस में छुट्टियां जरूर बिताने जाना चाहिए

आपके मन में सवाल आता होगा कि आखिर फिलीपींस पर्यटकों के बीच इतना लोकप्रिय क्यों है? इसका जवाब है फिलीपींस में मौजूद 7100 द्वीप। इस जगह की आश्चर्यजनक सुंदरता को आप देखते ही रह जाएंगे और अद्वितीय द्वीपों की गहराई में कहीं खो से जाएंगे। फिलीपींस में बोराके द्वीप तो ऐसी जगह है जहां आपको छुट्टियां बिताने के लिए जरूर जाना चाहिए। फिलीपींस में सबसे लोकप्रिय समुद्र तट और गोताखोरी विकल्पों में बोराके, एल निडो, कोरोन, सेबू और सिरगाओ शामिल हैं। फिलीपींस के अन्य प्रसिद्ध समुद्र तटों में सिरगाओ में गुयम व्हाइट सैंड बीच, कागायन घाटी में पलौई बीच, कैमराइन्स सूर में कारामोअन द्वीप बीच, माटी में दहिकन बीच और दावो ओरिएंटल शामिल हैं। इसके अलावा आप सारंगानी में गुमासा बीच, पंगलाओ में अलोना बीच और बोहोल, सेबू में कलंगगमन द्वीप और सिकिजोर में पालिटोन बीच भी घूमने जा सकते हैं। इसके अलावा, फिलीपींस को एशिया में कैथोलिकों का तीर्थ स्थल भी माना जाता है क्योंकि यहां सैंकड़ों पुराने चर्च हैं, जिनमें से अधिकांश 15वीं से 19वीं शताब्दी के बीच स्थापित किए गए थे। यहां ऐतिहासिक मस्जिदें, मंदिर और डंबना जैसे स्वदेशी पूजा स्थल भी मौजूद हैं। देश में लोकप्रिय तीर्थ स्थलों में पाओए चर्च, क्वियापो चर्च, मनाओग चर्च, ताल बेसिलिका और नागा कैथेड्रल शामिल हैं।

खरीदारी के लिए चीजें- उष्णकटिबंधीय प्रिंट वाली स्मारिका शर्ट, सूखे आम, सैन मिगुएल बियर, पारंपरिक सामान

फिलीपींस में करने के लिए चीजें- सर्फिंग, द्वीप पर घूमना, धूप सेंकना, स्वादिष्ट द्वीप व्यंजनों का स्वाद लेना

दिसंबर में मौसम- वर्षा का कोई दौर नहीं है। इसलिए, मौसम आमतौर पर शुष्क रहता है।

कैसे पहुंचें- आपको सिंगापुर, बैंकॉक या कुआलालंपुर से मनीला, फिलीपींस के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी होगी।

घरेलू क्रिकेट

एक टीम अध्यक्ष तो दूसरी सेक्रेटरी ने चुनी, पुलिस ने एक टीम को खेलने से रोका तो ओएसडी पर हुआ हमला

रणजी ट्रॉफी में मैदान पर खेलने पहुंची बिहार की 2 टीमें

● पटना

बिहार में 23 साल बाद शुरू हुए रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप मैच से पहले ही विवाद खड़ा हो गया। जब शुक्रवार को पटना के मोइन-उल हक स्टेडियम में बिहार की 2 अलग-अलग टीमें मैदान पर आ गईं। एक टीम बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष और दूसरी सचिव ने चुनी थी। पुलिस ने सचिव की टीम को स्टेडियम के बाहर से लौटाया तो अज्ञात लोगों ने स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (ओएसडी) मनोज कुमार पर जानलेवा हमला कर दिया। उन पर पत्थरबाजी की भी गई। उनके साथ मारपीट भी की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

अध्यक्ष ने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बिहार और मुंबई के बीच खेले जा रहे इस मुकाबले में मुंबई पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 251 रन पर ऑलआउट हो गई। वहीं बिहार ने पहली पारी में 89 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं।

पुलिस ने सचिव की टीम को बाहर से लौटाया

मुकाबला पटना के मोइन-उल हक स्टेडियम में शुक्रवार सुबह 9: 30 बजे शुरू होना था। 2 टीमें आने से हंगामा मच गया। लोकल पुलिस ने मामला समझा और दोनों टीमों को ग्राउंड के अंदर घुसने से रोक दिया। पुलिस ने फिर सचिव की टीम को उन्हीं की बस में बैठाकर स्टेडियम के बाहर से वापस भेज दिया। आखिर में अध्यक्ष की टीम मैदान में उतरी और मैच डेढ़ घंटे की देरी से 11 बजे शुरू हो सका।

अध्यक्ष पक्ष ने कहा- सस्पेंड हो चुके हैं सचिव

बिहार की दो रणजी टीमों को लेकर बीसीए के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। हालांकि अध्यक्ष की ओर से बीसीए के प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा ने कहा, अमित कुमार बीसीए के सचिव थे, उन्हें एसोसिएशन के ओम्बड्समैन कोर्ट ने सस्पेंड कर दिया है। अब उनका बीसीए से कोई लेना देना नहीं है। सचिव जबरदस्ती बिहार की अलग टीम बना रहे हैं। उनकी बनाई टीम को रणजी ट्रॉफी मैच खेलने का अधिकार नहीं है। बीसीसीआई भी राकेश कुमार तिवारी को ही बीसीए का अध्यक्ष मानती है। इसलिए उनके नेतृत्व में बनी टीम ही मुकाबला खेल रही है।

पुजारा ने ठोका 61वां प्रथम श्रेणी शतक

लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (नाबाद 157 रन) की शतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 4 विकेट पर 406 रन बना लिए हैं। सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए चिराग जैनी के 5 विकेट की बदौलत झारखंड की टीम को पहली पारी में 142 रन पर ऑलआउट कर दिया। झारखंड के लिए कुमार कुशाग्र ने सर्वाधिक 19 रन बनाए। इसके बाद सौराष्ट्र के लिए हार्विक देसाई (85) और शेल्डन जैक्सन (54) ने 81 रन की साझेदारी की। फिर पुजारा बल्लेबाजी के लिए आए और 162 गेंद में शतक लगाया। यह उनका 61वां प्रथम श्रेणी शतक है। स्टंप्स तक पुजारा और प्रेरक माकंड (नाबाद 23 रन) क्रीज पर मौजूद थे। इस शतक के बाद पुजारा को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती हैं।

मप्र पहली पारी में 323 रन पर ऑलआउट

ग्रुप-डी के मैच में मध्य प्रदेश ने पहली पारी में 323 रन बनाने के बाद दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तराखंड के 6 विकेट 170 रन पर गिरा दिए। दूसरे दिन मप्र ने 291 रन से आगे खेलते हुए सारांश 100 और अनुभव 20 रन के विकेट गंवा दिए। इसके बाद मप्र की टीम 109.3 ओवर में 323 रन पर सिमट गई। उत्तराखंड के लिए स्वप्निल ने सर्वाधिक चार विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक उत्तराखंड 170 रन बना लिए हैं। दिक्षांशु नेगी 44 और अभय नेगी 6 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। मप्र के लिए कुमार कार्तिकेय सिंह ने सर्वाधिक चार विकेट लिए हैं।

हैदराबाद ने नागालैंड को पारी और 194 रन से हराया

रणजी ट्रॉफी 2024 के पहले मैच का नतीजा दो दिन में ही निकल आया है। हैदराबाद ने नागालैंड को एक पारी और 194 रन से हरा दिया। हैदराबाद को राहुल सिंह गहलोत (214 रन) और तिलक वर्मा (100 रन) की मददसे पहली पारी में चार विकेट पर 474 रन बनाकर पर घोषित की। जवाब में नागालैंड की टीम पहली पारी में 153 रन और दूसरी पारी में 127 रन ही बना सकी। हैदराबाद की ओर से दूसरी पारी में चामा वी मिलिंद ने 4 और तनय त्यागराजन ने 3 विकेट लिए।

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है मोबाइल फोन

कवर स्टोरी
किरण भास्कर

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

लघुकथाएं

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

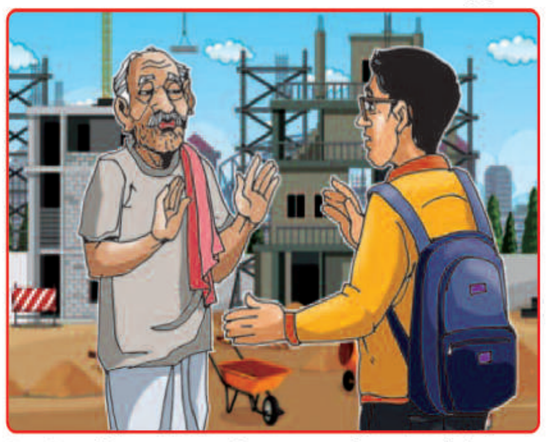

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

श्री राम का मंदिर दिव्यांगों के दर्शन पूजन के लिए अनुकूल

प्रदेश भर में मंडल ईकाई का गठन करेगा दिव्यांग प्रकोष्ठ, हर बूथ पर दिव्यांग प्रकोष्ठ बनाएगा पन्ना प्रमुख

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उत्तर प्रदेश भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय बैठक भाजपा कार्यालय रोहनिया में संपन्न हुई` बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रभारी ओम प्रकाश ने कहा कि दिव्यांग भारती जनता पार्टी की शक्ति है और भाजपा ने अपने परिवार का विस्तार करते हुए दिव्यांगजनों को इसमें स्थान दिया लेकिन अल्प समय में ही दिव्यांग जनों ने पार्टी के अंदर अपने कार्य से जो पहचान बनाई है वह एक मिसाल है पार्टी दिव्यांग जनों को हमेशा अवसर देती रहेगी ताकि वह नए कीर्तिमान स्थापित करें पार्टी उनके शिक्षा पुनर्वास रोजगार सभी विषयों की चिंता करेगी। बैठक को प्रदेश संयोजक उत्तर प्रदेश दिव्यांग प्रकोष्ठ उत्तम ओझा ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से चलाये जा रहे सुगम्य भारत अभियान से प्रभावित होकर अयोध्या में बन रहे भगवान श्री राम का मंदिर दिव्यांगजनों के अनुकूल है यह पहला ऐसा विश्व का मन्दिर बनाया जा रहा है जिसमें दिव्यांगजन आसानी से जाकर दर्शन पूजन कर सकेंगे और उनको सहज सरल रूप से दर्शन सुलभ होगा। उन्होने आगे कहा कि इस देश के संसाधन में जितनी भागीदारी सामान्य जनों की है उतनी भागीदारी दिव्यांग जनों की भी है ,दिव्यांग जनो की सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास पर कार्य करने की जरूरत है भारतीय जनता पार्टी देश में पहली ऐसी पार्टी है जिसने दिव्यांग प्रकोष्ठ का गठन करके दिव्यांगजनों को राजनीतिक भागीदारी देने का काम किया है दिव्यांगों की संख्या लगभग पूरी भारत में 10 करोड़ है उत्तर प्रदेश में दो करोड़ दिव्यांग है ये दिव्यांग मतदाता सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते है देश का कोई भी पोलिंग स्टेशन नहीं है जिस पर दिव्यांग मतदाता ना हो भारत के प्रत्येक बूथ पर दिव्यांग मतदाता है जरूरत है हमें इनके अंदर राजनीतिक चेतना जागृत करके इन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने की उन्होने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिव्यांग प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए जिले से आगे बढ़कर मंडल स्तर तक यह इकाई अपनी गठित करेगी उन्होने दिव्यांगजनों की आर्थिक चिंता करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में यह घोषणा की है कि हम दिव्यांगों की पेंशन 1500 करेंगे जिसे शीघ्र ही लागू करने के प्रयास किया जा रहे हैं ताकि दिव्यांग जनों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। प्रदेश के सहसंयोजक अभिषेक त्रिवेदी ने कहा कि आने वाले समय में भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ हर जिले में विशाल दिव्यांगजन सम्मेलन का आयोजन करेगी और संगठन मजबूत करेगी। दिव्यांग अपने बूथ पर पन्ना प्रमुख बनाकर भाजपा को अधिक से अधिक मत देकर मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे,सह संयोजक हीरा लाल सरोज ने बताया कि पार्टी का विस्तार करते हुए मंडल स्तर पर दिव्यांग प्रकोष्ठ के गठन करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है कई जिलों में यह कार्य संपन्न भी हो चुका है संचालन क्षेत्रीय संयोजक मदन मोहन वर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सविता सिंह ने किया। बैठक में क्षेत्रीय सह संयोजक विजय पांडे महानगर के सह संयोजक सुबोध राय,नमिता सिंह जिला संयोजक संतोष पांडे, प्रदीप राजभर,बृजेश सिंह, एंड संदीप साहू, रूपेश सिंह शिव कुमार प्रजापति, कृष्ण मालिक शुक्ला, विनोद कुमार सिंह, आनंद भूषण, राजकुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शिक्षक पर प्राणघातक हमले से भड़का शिक्षा मित्र संघ

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय मानीकला के शिक्ष मित्र जमशेद पर दबंगों द्वारा प्राणघातक हमले के आरोपित की गिरफ्तारी न होने से प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ आक्रोशित हो उठा । रविवार को थानाध्यक्ष से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा । चेताया कि शीघ्र गिरफ्तारी नही हुई तो पुलिस अधीक्षक से मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे । विदित हो कि उक्त गांव निवासी शिक्षा मित्र अपने खेत मे कार्य कर रहे थे तभी मनबढ़ किस्म के एक दबंग व उसके साथी ने उस पर हमला बोल दिया । जिस से वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े । घुटना और जबड़ा फैक्चर होने से उनका जिला मुख्यालय पर उपचार चल रहा है । स्थानीय पुलिस द्वारा एनसीआर दर्ज कर ली गई लेकिन गिरफ्तारी न होने से शिक्षा मित्र संघ नाराज हो उठा । संगठन के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार यादव के नेतृत्व में एक दर्जन शिक्षक थाने पहूचे । जिलाध्यक्ष संदीप ने कहा कि पाँच दिन बाद भी दबंगो की गिरफ्तारी न होना दुर्भाग्यपूर्ण है । शीघ्र आरोपितों की गिरफ्तारी नही हुई तो अगली रणनीति तय करने को मजबूर होंगे । थानाध्यक्ष चंदन रॉय ने आरोपितों को पकड़ने का आश्वासन दिया है । इस मौके पर प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष संदीप यादव,अजय यादव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, रामफेर, मोहम्मद खालिद, बदरूजमा, महेंद्र यादव,उमेश यादव, भोलानाथ चौहान,जगदीश यादव, संजीव जायसवाल, अशोक राजभर,मुनीलाल यादव,तेज बहादुर यादव, उमाशंकर,अवधेश कुमार समेत प्राइमरी व जूनियर के शिक्षक शामिल रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता से छात्रों के बौद्धिक स्तर का होगा विकासः डा. सूर्यभान यादव

प्रखर जौनपुर। बाबा द्वारिका दास हरि महाविद्यालय सारी जहांगीर पट्टी एवं एसएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी द्वारा रविवार को प्रबुद्ध सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता मंच आयोजित कराई गई। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के 25 विद्यालयों के कक्षा 6 से इंटरमीडिएट तक के करीब 2000 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वरिष्ठ दंत चिकित्सक एवं कॉलेज के प्रबंधक डा.सूर्यभान यादव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित होने से छात्र-छात्राओं के बौद्धिक स्तर का विकास होगा। बच्चों में सामान्य ज्ञान का स्तर ऊंचा होगा। यूपीएससी जैसी तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी में आसानी होगी। आगे चलकर यही मेधावी छात्र-छात्राएं सिविल सेवा ,इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में बड़े-बड़े महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेंगे। आज के युवा ही कल के श्रेष्ठ नागरिक बनकर श्रेष्ठ भारत का निर्माण करेंगे। प्राचार्य कुंवर सिंह यादव ने बताया कि यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता उन छात्र-छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है। यह प्रतियोगिता प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक उचित प्लेटफार्म तैयार करेगी। उप प्रबंधक लव कुश मौर्य, डीके भाई,स्नेहा यादव,राम सकल मौर्य ,अवनीश यादव ,तेज बहादुर यादव,विनय यादव,संतोष यादव आदि शिक्षकों ने परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में सहयोग किया।

भारतीय जनता पार्टी नें दिया सम्मान, पुनः मण्डल उपाध्यक्ष बने मोहम्मद असलम खाँन

प्रखर केराकत जौनपुर। रखते हैं अलग पहचान, वो हैं असलम खाँन। फूकेंगे कार्यकताओं में जान, बढ़ायेंगे संगठन का सम्मान। निश्चय ही 2024 में फिर चमकेगा कमल निशान। यह आशाएं और अपेक्षाएं हैं केराकत मण्डल अध्यक्ष संजय सिंह के जो उन्होंने मोहम्मद असलम खाँन को पुनः मण्डल उपाध्यक्ष और सरकी गाँव के प्रभारी पद की जिम्मेदारी देते हुए व्यक्त की है। केराकत के नरहन बंधवा में स्थित बी०एस०बी० पैरामेडिकल कालेज में नये गठन के लिए बुलाई गयी कार्यकताओं के बीच सर्वसम्मति से पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष और पूर्व सभासद रहे मोहम्मद असलम खाँन को केराकत मण्डल का उपाध्यक्ष और सरकी गाँव का प्रभारी नियुक्त किया गया। साथ ही ग्राम मनियरा निवासी कृष्ण कान्त यादव उर्फ के०के० एवं संजय सरोज को केराकत मण्डल मंत्री पद के लिये मनोनीत किया गया। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकताओं नें 'जय श्रीराम' के जयकारे के बीच पदाधिकारीयों को माल्यार्पण कर बधाई भेंट प्रस्तुत किये। मोहम्मद असलम खाँन सहित सभी मनोनीत पदाधिकारियों नें सभी का आभार प्रकट करते हुए चुनाव 2024 जीतने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भारत सरकार रेलवे बोर्ड सलाहकार समिति के दोनों सदस्य क्रमशः भाजपा अनुसूचित मोर्चा मछलीशहर के जिला महामंत्री अजय सोनकर शास्त्री और भाजपा मण्डल अध्यक्ष केराकत संजय सिंह रहे। इस मौके पर केराकत मण्डल प्रभारी शिवप्रकाश पाण्डेय, महामंत्री विवेक सिंह, और प्रधान श्याम नारायण प्रजापति आदि नें क्रमशः अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।

दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

प्रखर वाराणसी। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के तत्वावधान में भंदहा कला ग्राम स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित युवाओं का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर रविवार को सम्पन्न हुआ. शिविर में पूर्वांचल के 3 जिलों के कुल 35 प्रतिभागी सम्मिलित हुए. शिविर में प्रशिक्षक के रूप में बोलते हुए सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं लोकसमिति के संयोजक नंदलाल मास्टर ने कहा कि एक सामाजिक कार्यकर्ता को जाति, धर्म, संप्रदाय, लिंग, आर्थिक स्थिति जैसे अवरोधों को त्यागते हुए समाज के मुद्दों पर अपनी समझ बनानी चाहिए उसके बाद क्रमशः सामूहिक कोशिश से समस्याओं का समाधान खोजने की दिशा में आगे बढना चाहिए. उसे एक उत्प्रेरक की भूमिका निभानी चाहिए और लोगों को जागरूक करना चाहिए. आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, न्याय जैसे मुद्दों पर संगठित करने के लिए सामाजिक कार्यकताओं को बड़ी भूमिका लेनी होगी जिससे सभी का जीवन खुशहाल हो. सामाजिक कार्यकर्ता महेश कुमार ने कहा कि आज युवा पीढ़ी दिग्भ्रमित है उनकी समाज के प्रति कुछ कर्तव्य और जिम्मेदारियां है जिनका निर्वहन करने के लिए उन्हें अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों को भी समझना पड़ेगा, इसी उद्देश्य से ऐसे प्रशिक्षणों का आयोजन किया जा रहा है जिसको अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाने की जरूरत होगी. प्रशिक्षण शिविर में महेंद्र राठोर ने संगठन निर्माण, अमित कुमार ने गुणवता पूर्ण शिक्षा, दीन दयाल सिंह ने रोचक शिक्षण पद्धति और डॉ इंदु पाण्डेय ने लैंगिक समानता जैसे मुद्दों पर संबोधित किया. आयोजन में प्रदीप सिंह, सौरभ, राजेश, आंचल, दीपक, रैनी, सुनीता, रचना आदि का विशेष योगदान रहा.

क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया ने 'सरपंच संवाद' का किया आयोजन

प्रखर वाराणसी। वाराणसी और इसके पड़ोसी जिलों के 500 से ज्यादा सरपंच एक साथ आए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 9 संकल्पों को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से प्रतिज्ञा ली। गौरतलब है कि ये सभी सरपंच क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) द्वारा आयोजित 'सरपंच संवाद' पहल के तहत इकट्ठा हुए थे। यह एक ऐसी पहल है जो जमीनी स्तर पर गुणवत्ता बढ़ाने का काम करती है। "विकसित भारत@2047 के लिए गुणवत्तापूर्ण गांवों का निर्माण" विषय के तहत आयोजित कार्यक्रम में माननीया वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल की विशिष्ट उपस्थिति रही। इस दौरान क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री जक्षय शाह भी मौजूद रहे। इस मौके पर माननीया बाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने ग्राम प्रधानों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "इस गौरव काल के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा में योगदान देने में गाँव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। QCI की सरपंच संवाद पहल गांव के प्रधानों को जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक जानकारी और संसाधनों में जोड़कर विकसित भारत यात्रा में योगदान देने के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करती है। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित सरपंचों द्वारा पैनल चचाएं भी हुईं। सभी सरपंचों ने ग्रामीण विकास में अपनी सफलता की कहानियां और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। इन कहानियों में आत्मनिर्भरता, सामुदायिक जुड़ाव, टिकाऊ प्रथाओं और डिजिटल पहल के पहलुओं को शामिल किया गया है। इस चर्चा ने अन्य प्रतिभागियों के लिए सभी क्षेत्रों में 'गुणवत्ता प्रथाओं' को अपनाने के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य किया। सरपंचों के बीच हुई इस चर्चा में ग्रामीण परिवर्तन को आगे बढ़ाने में सहयोग और जानकारी साझा करने के महत्व का प्रदर्शन हुआ।

इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन की तहसील इकाई गठित

धर्मेंद्र मिश्र अध्यक्ष, ईमान करीम अंसारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विष्णु स्वरूप महामंत्री, सुभाष सिंह कोषाध्यक्ष तथा वासुदेव यादव मीडिया प्रभारी निर्वाचित

प्रखर संतकबीरनगर। रविवार को मेंहदावल डाक बंगले पर मेंहदावल तहसील क्षेत्र के पत्रकारों की एक महत्त्वपूर्ण बैठक वरिष्ठ पत्रकार के.डी.सिद्दीकी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई।बैठक में सर्वसम्मति से लोगों ने इंडियन जर्नलिस्ट ऐसोसिएशन से जुड़ने का निर्णय लिया गया।बैठक में आम सहमति से तहसील के पदाधिकारियों का चयन किया गया।इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि संगठन को मजबूत बनाते हुए पत्रकारों की लड़ाई हर स्तर पर लड़ी जाएगी। तहसील इकाई के अध्यक्ष के रूप में दैनिक जागरण के पत्रकार धर्मेंद्र मिश्र,वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में आज के पत्रकार ईमान करीम अंसारी,महामंत्री के रूप हिंदुस्तान अखबार के पत्रकार विष्णु स्वरूप,कोषध्यक्ष के रूप में दैनिक जागरण के सुभाष सिंह तथा मीडिया प्रभारी के रूप में दैनिक ब्रम्हपुकाराम के पत्रकार वासुदेव यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए।शीघ्र ही तहसील के अन्य पदाधिकारियों का चयन कर लिया जाएगा।नव निर्वाचित तहसील अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्र ने कहा कि मुझे शीर्ष नेतृत्व और साथियों की सहमति से जो जिम्मेदारी दी गई है उस पर शत-प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इस दौरान राजीव मिश्र, शैलेश सिंह उर्फ राजन, सुनील यादव,राम अनुज मिश्र, धर्मेन्द्र मिश्र, कुशल दूबे, अम्बर बस्तवी, पिंटूलाल यादव, दिनेश चौरसिया, सुनील कुमार, प्रेमनारायण राय, जयशंकर प्रसाद, धर्मराज अग्रहरि, विकास अग्रहरि, बेचन प्रसाद समेत अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

सीर गोवर्धनपुर वार्ड नंबर 23 में सीवर और नाली की गंभीर समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय जनता संग सपा नेता अमन यादव बैठे धरने पर

प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। सीर गोवर्धनपुर वार्ड नंबर 23 में सीवर और नाली की गंभीर समस्याओं को देखते हुए क्षेत्रीय जनता के संग सपा नेता अमन यादव धरने पर बैठे` धरना के दौरान अमन यादव ने बताया की वाराणसी के सांसद व देश के प्रधानमंत्री और क्षेत्रीय विधायक, भाजपा गठबंधन से क्षेत्रीय पार्षद, भाजपा की सरकार हे उसके बावजूद यहां की जनता इन गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। सीर गोवर्धनपुर वार्ड में प्रत्येक वर्ष संत रविदास जयंती के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री व कई राज्यों के मुख्यमंत्री विदेशो से श्रद्धालु दर्शन पूजन करने आते हैं फिर भी यहां कोई भी विकास का कार्य नहीं किया जाता यहां पर सिर्फ नेता आते हैं दलित वोट बैंक का राजनीति करने` यहां धरने पर बैठकर सरकार को चेतावनी देने का कार्य किया गया है जल्द से जल्द इन समस्याओं से क्षेत्र की जनता को छुटकारा मिले नहीं तो आगे और भी बड़ा आंदोलन करने के लिए क्षेत्रीय जनता तैयार रहेगी। धरने में मुख्य रूप से अमन यादव, श्री राम फौजी, गणेश प्रधान ,कांग्रेस के प्रदेश सचिव उमेश यादव, जयंतु महाराज, अनिल यादव, अजय सोमारू, राम यादव, शिवपूजन मठल्लू सहित इत्यादि लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

बम्मावन गांव में ग्रामीणों ने श्रद्धापूर्वक पूजित अक्षत को माथे लगाया

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत खंड कार्यवाह चंद्रदीप शुक्ल के नेतृत्व में आज सातवे दिन अक्षत बांटकर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण दिया गया।अयोध्या धाम का पूजित अक्षत लेकर वितरण टोली जैसे ही रामधुन की भजन गाते हुए बम्मावन गांव पहुंची पूरा गांव भक्ति भाव में डूबा नजर आया। अक्षत और राम मंदिर चित्र पाते ही वे श्रद्धा भक्ति दिखाते हुए अक्षत और चित्र को माथे लगाया। लोगो से 22 जनवरी 2024 को गांव में दीपावली पर्व जैसा त्योहार मनाने हेतु संकल्प कराया गया। मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष राम समुझ निषाद धर्म जागरण प्रमुख गुल्ली पांडेय महामंत्री हरीराम पाल रणजीत सिंह चौहराजा संतोष यादव और अतुल सिंह ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

निर्धन एवं गरीब की सेवा ही संस्था का मुख्य उद्देश्य : कैलाश नाथ सिंह

प्रखर केराकत जौनपुर। श्री राम गरीब समाज विकास समिति बीरमपुर के तत्वाधान में गरीब व असहाय लोगों को संस्था प्रमुख द्वारा 100 कंबल वितरित किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था प्रमुख कैलाश नाथ सिंह ने कहा कि आज के परिवेश में समाज के कुछ निर्धन एवं असहाय रूप के व्यक्ति हैं जिनके पास हड़कपाउ ठंड से बचने के लिए ऊनी मोटा वस्त्र नहीं है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर समिति ने कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया है, उन्होंने दान को रेखांकित करते हुए कहा कि निर्धन एवं गरीब की सेवा ही महादान है, और समाज में सच्ची मानवता का एक स्वरूप है। कैलाश नाथ सिंह ने बताया कि हर वर्ष गरीब तबके के लोगो को कम्बल सहित जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, इस संस्था का मुख्य उद्देश्य ही है गरीबों की सेवा करना। इस अवसर पर राजू सिंह मास्टर, अरुण सिंह पूर्व प्रधान, सत्येंद्र मिश्रा, अंजनी सिंह, हिमांशु, शिबू , बृंदा आदि उपस्थित रहे।

यूपी जोड़ो यात्रा के समापन में पहुंचे विधायक वीरेंद्र चौधरी

प्रखर महराजगंज। जनपद महाराजगंज फरेंदा विधानसभा के कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी कांग्रेस पार्टी द्वारा चल रही UP जोड़ो यात्रा के समापन पर आज लखनऊ पहुंचे। उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर 2023 से उत्तर प्रदेश में चल रही UP जोड़ो यात्रा का आज इसके अंतिम पड़ाव, शहीद स्मारक,राजधानी लखनऊ में मुख्य अतिथि AICC महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, इंडियन लखनऊ कांग्रेस उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधायक दल की नेता अनुराधा मिश्रा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के सानिध्य में समापन हुआ। समारोह में संबोधित करते हुए सभी नेताओं ने कांग्रेस जनों, जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, जिन्होंने इस यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाया, का आभार प्रकट किया और इस शानदार यात्रा की सफलता के लिए बधाई दी व अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी वरिष्ठ नेतागण व भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

मोबाइल फोन का सदुपयोग करें छात्र-छात्राएं-संजू सिंह

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवा,में रविवार को उप्र. सरकार प्रवर्तित "स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना' अंतर्गत बीए तृतीय वर्ष उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं सहजनवा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती संजू सिंह तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. (श्रीमती) कुमुद त्रिपाठी द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं मोनिका सिंह एवं दिव्या यादव ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके अनंतर प्राचार्या डॉ. (श्रीमती) कुमुद त्रिपाठी ने नगर पंचायत अध्यक्ष का स्वागत करते हुए पूर्व छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अपने उद्बोधन में सहजनवा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती संजू सिंह ने कहा कि- 'छात्र-छात्राएं मोबाइल फोन का सदुपयोग करते हुए इसे प्रत्येक प्रकार से अपने प्रगति का साधन बनाएं जिससे युवाओं हेतु प्रारंभ की गयी प्रदेश सरकार की यह योजना अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वाचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं